दैनिक
जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

वर्ष-21 | अंक-33 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, शनिवार 7 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

आवश्यकता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

संक्षिप्त समाचार

रेपो रेट में बदलाव नहीं, लोन महंगा नहीं होगा

नई दिल्ली। इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया गया है। इसे 5.25प्रतिशत पर बरकरार रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 6 फरवरी को मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए फैसलों की जानकारी दी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी, आरबीआई ने दिसंबर में ब्याज दर 0.25प्रतिशत घटाकर 5.25त्न की थीं। आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। जब आरबीआई रेपो रेट घटाता है, तो बैंकों को सस्ता कर्ज मिलता है और वो इस फायदे को ग्राहकों तक पहुंचाते हैं। 2025 में चार बार में 1.25प्रतिशत की कटौती फरवरी 2025 में ब्याज दरों को 6.5प्रतिशत से घटाकर 6.25प्रतिशत कर दिया था।

रोहतक में आईपीएस के पिता ने किया सुसाइड, सिर में मारी गोली

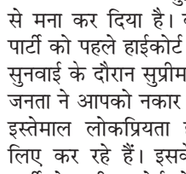

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में आईपीएस राहुल बल्हारा के पिता जयपाल ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। शुक्रवार की शाम को वे अनाज मंडी में दुकान पर बैठे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाली और सिर में गोली मार ली। गोली लगने से ही वे कुर्सी से नीचे गिर गए। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंचे और लहूलुहान हालत में पड़े जयपाल को उठाया। पुलिस को सूचना देने के साथ ही उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर शिवाजी कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में पीजीआई के ट्रोमा सेंटर में रखवाया। एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंच कर साक्ष्य जुटाए। लाइसेंसी पिस्टल को भी कब्जे ले लिया गया है। बता दें कि जयपाल के आईपीएस बेटे राहुल बल्हारा वर्तमान में दमनदीप में तैनात है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रशांत किशोर से पूछा- आपकी पार्टी को कितने वोट मिले

पटना। प्रशांत किशोर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने 2025 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव को रद्द करने की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई की और मांग को खारिज कर दिया है। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसकी मांग को सुप्रीम कोर्ट ने मानने से मना कर दिया है। कोर्ट ने जनसुराज पार्टी को पहले हाईकोर्ट जाने को कहा है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जनता ने आपको नकार दिया तो कोर्ट का इस्तेमाल लोकप्रियता हासिल करने के लिए कर रहे हैं। इसके बाद जनसुराज पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी याचिका वापस ले ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, जब पार्टी चुनाव में अपना सब कुछ हार गई तब वो यहां आ गई। आपको सद्भावना के बारे में भी बताना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के सम्मेलन को किया संबोधित

राज्य सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर तैयार कर रही है विकास का नया मॉडल: मुख्यमंत्री यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का फूड बॉस्केट बन चुका है। मध्यप्रदेश को कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और दाल उत्पादन के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। राज्य सरकार किसान, उद्योग और व्यापार को साथ लेकर विकास का नया मॉडल तैयार कर रही है। राज्य सरकार जमीन हो या मशीन हर स्तर पर किसानों और व्यापारियों को अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार ने किसानों की आय दोगुना करने का लक्ष्य रखा है।

केन्द्रीय बजट के आधार पर तय हो रही हैं वैश्विक नीतियां

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रदेश में दूध और दलहन फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में मसूर और उड़द उत्पादन को बढ़ाने के लिए शीघ्र ही बोनस देने की योजना तैयार की जाएगी। इसके साथ ही खाद्य प्रसंस्करण पर भी जोर दिया जा रहा है। इससे किसानों सहित उद्यमियों को भी लाभ होगा, इंदौर में उद्योग-व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए हर संभव मदद की जाएगी। मध्यप्रदेश देश के मध्य में है, यहां से रोड, रेल और हवाई हर तरह की बहुत अच्छी कनेक्टिविटी है। प्रदेश में एयरकार्गो के विकास की दिशा में प्रयास जारी हैं, जिससे व्यापार व्यावसाय विस्तार को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दाल मिल से संबंधित उद्यमियों, मशीन निर्माताओं, निर्यातकों, व्यापारियों, कृषकों, आदि के साथ राज्य सरकार के प्रतिनिधियों की कार्यशाला शीघ्र ही भोपाल में आयोजित की जाएगी।

मध्यप्रदेश देश का फूड बॉस्केट बना

उद्योगपतियों से कहा कि आप मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करें। हमारी सरकार जमीन, मशीन और टैक्स कम करने से लेकर सभी प्रकार से सहयोग प्रदान करेगी। प्रदेश की धरती पर सभी निवेशकों का स्वागत है। राज्य सरकार ने लघु-कुटीर उद्योग और एमएसएमई को प्रोत्साहित करने के लिए संभागीय स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, दूसरे राज्यों में निवेश आकर्षित करने के लिए रोड शो आयोजित किए।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

ख्यमंत्री डॉ. यादव ने ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन की तीन दिवसीय प्रदर्शनी ग्रीन एक्स का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। प्रदर्शनी में दाल मिलिंग, मसाला मशीनरी, फ्लोर मिल, राइस मिल सहित अन्य अत्याधुनिक तकनीकी उपकरण प्रदर्शित किए गए हैं।

परीक्षा पे चर्चा-पीएम ने बच्चों को असम के गमछे पहनाएः मोदी बोले-

एक साल में हर विदेशी चीज स्वदेशी से बदलें

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज परीक्षा पे चर्चा के 9वें एडिशन में देशभर से आए बच्चों से मुलाकात की। दिल्ली स्थित पीएम आवास पर मोदी ने पहले बच्?चों को असम के गमछे पहनाए और फिर उनके सवालों के जवाब दिए। पहले एपिसोड में मोदी ने बच्चों को विदेशी चीजें छोड़कर स्वदेशी चीजें अपनाने की सलाह दी। साथ ही, बच्चों से कहा कि वो 25 साल में विकसित भारत बनाने को अपना सपना बनाएं। विकसित भारत को अपना सपना बनाएं पीएम बोले- जब आजादी के 100 साल पूरे होंगे तब आप लोग 39-40 साल के होंगे। आपको अभी से विकसित भारत को अपना सपना बनाना चाहिए। भगत सिंह आजादी का सपना दिल में रखकर फांसी पर झूल गए।

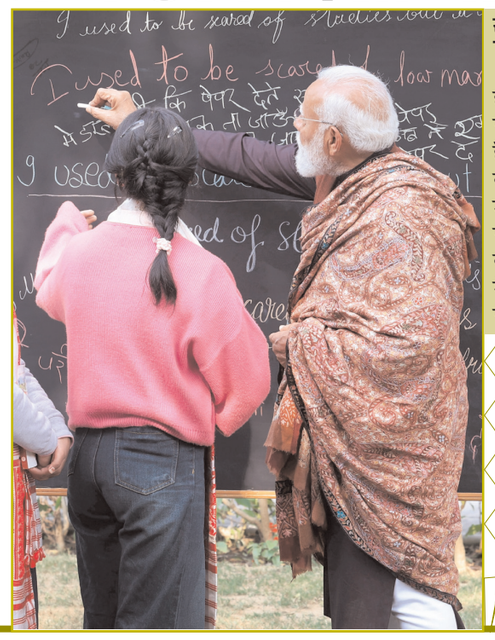

खुद पर भरोसे से भगाएं कोई भी डर

स्टूडेंट ने सवाल किया कि प्रेजेंटेशन देते समय मैं घबरा जाता हूं। इस डर को कैसे भगाऊंपीएम ने कहा- कभी देखा है कि फुटपाथ पर कोई गरीब महिला भी जब टीवी पर किसी घटना के बारे में बताती है तो कितने आत्मविश्वास से बात करती है। क्या उसने इंटरव्यू की कोई प्रैक्टिस की है नहीं। उसका आत्मविश्वास आता है सच्चाई है। उसे पता है कि उसने जो देखा वही कहना है। आप भी अपने किए हुए पर भरोसा रखें तो प्रेजेंटेशन का डर भाग जाएगा। देश की अमर कहानियों पर गेम बनाओ गोवा के श्रीजीत गाडगिल ने सवाल किया, मेरा गेमिंग में बहुत इंटरेस्ट है। मगर पेरेंट्स नहीं समझते। मैं क्या करूं। पीएम ने जवाब दिया- भारत देश कहानियों से भरा हुआ है।

मार्क्स-मार्क्स की बीमारी से बचो

एक स्टूडेंट के सवाल के जवाब में पीएम मोदी ने कहा- पता नहीं ये मार्क्स- मार्क्स की बीमारी कैसे फैल गई है। आप लोगों को पिछले साल के टॉप 1 से 10 तक के नाम याद हैं क्या ये उप्लब्धि तो कुछ देर के लिए होती है। हमें ये देखना चाहिए कि पढ़ाई से हमारे जीवन पर क्या असर हुआ है। न कि ये कि हमारे मार्क्स कितने आए हैं। स्किल या मार्क्स में से एक के पीछे न भागो एक स्टूडेंट ने पीएम से सवाल किया कि स्किल जरूरी है।

नारेबाजी के बाद लोकसभा सोमवार तक स्थगित, केंद्रीय मंत्री बिट्टू बोले-

राहुल पीएम की पाठशाला जाएं तो कामयाब होंगे

नई दिल्ली। संसद में शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा और नारेबाजी हुई। पहली बार 3 मिनट और दूसरी बार 7 मिनट तक ही कार्यवाही चल सकी। इसके बाद लोकसभा 9 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा को भी सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा- उन्हें कल सबने बालक कहा। आज पीएम की पाठशाला थी, जिसमें बच्चों को कामयाब होना बताया गया। अगर राहुल भी पीएम की पाठशाला में चले जाएं तो जिंदगी में कामयाब हो जाएंगे। गुरुवार को लोकसभा और राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव हंगामे के बीच पास कर दिया गया। लोकसभा में 2004 के बाद पहली बार यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री के भाषण के बिना पास हुआ है।

निशिकांत बोले- देश की समस्याएं नेहरू-गांधी परिवार की देन हैं

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, हम जब 2014 में सरकार में आए तब पारदर्शिता है। लेकिन इस देश के बच्चों को ये नहीं पता कि इस देश में आज जो भी समस्याएं हैं वो नेहरू, गांधी परिवार की देन हैं। जो नेहरू गांधी परिवार ने किया है उसे जानने का अधिकार लोगों को है। इसलिए मैं लाइब्रेरी बनाऊंगा। मैंने देशभर के लोगों से आग्रह किया है कि आपके पास जो किताबें हैं उनकी जानकारी दीजिए, हम वो सब किताबें खरीदेंगे और सब जनता को बताएंगे।

आंध्र प्रदेश के ष्टरूनायडू का आरोप

तिरुपति लड्डू का घी बनाने में बाथरूम क्लीनर इस्तेमाल हुआ

कलुगोटला। आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पिछली वेएसआरसीपी सरकार के दौरान तिरुपति के पवित्र लड्डू ऐसे घी से बनाए गए, जिसमें बाथरूम साफ करने वाले केमिकल मिले हुए थे।

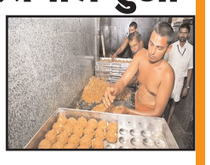

पांच सालों तक लड्डू बनाने में केमिकल मिला हुआ घी इस्तेमाल किया गया। कुरनूल जिले के कलुगोटला गांव में सभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि पिछली सरकार ने भगवान वेंकटेश्वर स्वामी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का काम किया।प्रसाद में मिलावट की गई थी। वेएसआरसीपी सरकार के समय प्रसिद्ध श्रीशैलम मंदिर में भी मिलावटी घी की सप्लाय किया गया। नायडू ने बताया कि दो तरह के केमिकल होते हैं-एक सब्जियों से बने होते हैं, जो महंगे होते हैं, जबकि जानवरों की चर्बी सस्ती होती है। ष्टरूने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड की रिपोर्ट में भी यह कहा गया है कि घी में जानवरों की चर्बी का इस्तेमाल हुआ था। एक भक्त होने के नाते वह ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते। वेएसआरसीपी नेताओं का दावा है कि सीबीआई के नेतृत्व वाली एसआईटी ने इस मामले में उन्हें क्लीन चिट दे दी है। उन्होंने कहा कि लड्डू प्रसाद में मिलावट श्रद्धालुओं की आस्था के खिलाफ गंभीर अपराध है और किसी भी रिपोर्ट ने वेएसआरसीपी को क्लीन चिट नहीं दी है।

साउथ एक्ट्रेस अंजू कृष्णा ड्रग्स केस में गिरफ्तार

पुलिस ने नकली ग्राहक भेज कर ट्रैप सेट किया

साउथ फिल्म इंडस्ट्री से ड्रग्स का मामला सामने आया है। एंटी-नारकोटिक्स इंटेलिजेंस यूनिट साउथ की टीम ने अभिनेत्री अंजू कृष्णा और असिस्टेंट डायरेक्टर विंसी निवेथा सहित कुल 8 लोगों को ड्रग्स मामले में गिरफ्तार किया है। टीओआई सिटी की रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने गुरुवार देर रात वलसरवक्कम इलाके में चलाए गए छापेमारी अभियान में टीम ने मेथम्फेटामाइन और गांजा सहित अन्य अवैध पदार्थ जब्त किए। शुरुआती जांच में पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध ड्रग्स की खेप के साथ संदिग्ध एक्टिविटी कर रहे हैं, जिसके बाद ये कार्रवाई की गई।

कार्रवाई कैसे हुई?

पुलिस ने पहले एक नकली ग्राहक भेज कर एक ट्रैप सेट किया। जब संदिग्धों की कार वलसरवक्कम के पास पहुंची, तो पुलिस ने उसे रोका और तलाशी ली। तलाशी में लगभग 6 ग्राम मेथम्फेटामाइन, 7 ग्राम ओजी गांजा, 15 ग्राम गांजा, एक स्मोकिंग बॉन्ग, एक स्टैम्प और 9 मोबाइल फोन बरामद हुए। पकड़े गए सभी लोगों को पुलिस हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया है न्यायिक हिरासत में रखा गया है।

पंजाब में आप नेता की 6 गोलियां मारकर हत्या

जालंधर। पंजाब के सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सतिंदर पाल सिंह जोगी उर्फ लक्की ओबरॉय की 6 फरवरी की सुबह जालंधर में सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। वे 43 साल के थे। स्कूटी पर आए दो युवकों ने उन्हें 6 गोलियां मारीं। इनमें से 5 गोलियां ओबरॉय के सीने और एक सिर में लगी। लक्की ओबरॉय जालंधर के पॉश एरिया, मॉडल टाउन इलाके में गुरुद्वारे में माथा टेकने आए थे। जैसे ही वे गुरुद्वारे से निकलकर अपनी थार गाड़ी में बैठने लगे तो एक बदमाश ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोलियां चलते हुए का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें शूटर दोनों हाथ में पिस्टल लेकर फायरिंग करता हुआ दिख रहा है। ओबरॉय का परिवार उन्हें गंभीर हालत में मॉडल टाउन के प्राइवेट अस्पताल लेकर पहुंचा। वहां डॉक्टरों के मृत घोषित कर देने पर परिवार को भरोसा नहीं हुआ और ओबरॉय को श्रीराम अस्पताल ले जाया गया। हालांकि वहां भी उन्हें मृत बताया गया। ओबरॉय आम आदमी पार्टी से जालंधर कैंट में वार्ड-35 के हलका इंचार्ज थे।

गाड़ी में बैठने का इंतजार कर रहे थे हमलावर: पुलिस के मुताबिक, लक्की ओबरॉय सुबह 7ञ्15 बजे मॉडल टाउन के गुरुद्वारे में माथा टेकने आए। उनका यहां आना डेली रूटीन था। गुरुद्वारे में माथा टेकने के बाद वह बाहर निकले और घर जाने के लिए अपनी थार गाड़ी में बैठ गए। ठीक उसी समय स्कूटी पर सवार दो युवक वहां पहुंचे और ओबरॉय की गाड़ी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। हमले की टाइमिंग देखकर साफ है कि बदमाश उनके गुरुद्वारे से बाहर आने का ही इंतजार कर रहे थे।

अनुमति | सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग को गर्भपात की परमिशन दी: कहा-

महिला को प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 17 साल की एक नाबालिग लड़की की 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी को मेडिकल टर्मिनेट करने की परमिशन दी। कोर्ट ने कहा कि किसी महिला, खासकर नाबालिग को, उसकी इच्छा के खिलाफ प्रेग्नेंसी जारी रखने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुयान की बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को रद्द किया। कोर्ट के सामने मामला एक नाबालिग लड़की का था, जो पड़ोस के एक लड़के के साथ रिश्ते के दौरान प्रेग्नेंट हो गई थी और उसने मांग की है कि उसकी प्रेग्नेंसी खत्म कर दी जाए। कोर्ट ने मुंबई के जेजे हॉस्पिटल को निर्देश दिया कि वे सावधानियों को ध्यान में रखते हुए लड़की का मेडिकल गर्भपात करें। मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में कहा गया था कि यदि गर्भावस्था को पूरा समय दिया जाए तो मां और बच्चे की जान को कोई तुरंत कोई खतरा नहीं है।

> **नाबालिग लड़की खुद बच्चे जैसी उम्र की है, ऐसी अनचाही और मुश्किल स्थिति में प्रेग्नेंसी जारी रखने की उम्मीद करना ठीक नहीं है। मुद्दा यह नहीं है कि संबंध सहमति से था या सेक्सुअल असॉल्ट था। अहम बात यह है कि लड़की खुद मां बनना नहीं चाहती।**
> **सुप्रीम कोर्ट**

कोर्ट ने पूछा- 30 हफ्ते में गर्भपात की अनुमति क्यों नहीं

कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब 24 हफ्ते तक गर्भपात की अनुमति हो सकती है, तो फिर 30 हफ्ते में क्यों नहीं। कई बार किसी महिला को यह फैसला लेने में समय लग जाता है कि वह प्रेग्नेंसी खत्म करना चाहती है या नहीं। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि यदि अदालतें ऐसे मामलों में मेडिकल टर्मिनेशन की अनुमति नहीं देतीं तो महिलाएं गैर-कानूनी और असुरक्षित तरीकों का सहारा लेने को मजबूर होंगी।

मुंबई में मूक-बधिर युवती से रेप, पांच महीने की प्रेग्नेंट थी

मुंबई के कफ परेड इलाके में एक 20 साल की मूक-बधिर युवती से रेप मामले में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। युवती के आसपास रहने वाले जिन 17 लोगों के डीएनए सैंपल लिए गए थे, उनमें उसके पिता का ही डीएनए मैच हुआ है। यह मामला सितंबर 2025 में सामने आया था, जब युवती ने अपनी दादी से पेट दर्द की शिकायत की थी। इशारों के जरिए उसने पेट में अजीब हरकत महसूस होने की बात बताई।

गढ़चिरौली में शहीद जवान को गार्ड ऑफ ऑनर

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

जगदलपुर। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच हुए मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए। वहीं महाराष्ट्र का एक जवान शहीद हो गया, 1 अन्य जवान घायल है। 6 फरवरी की सुबह अबूझमाड़ के जंगल में दोनों ओर से हुई गोलीबारी में महाराष्ट्र के सी-60 कमांडोज ने 3 नक्सलियों को मार गिराया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से फायरिंग में गोली कॉन्स्टेबल दीपक चिन्ना मदावी (38 साल) को जा लगी। उन्हें तुरंत एयरलिफ्ट कर भामरागड़ के अस्पताल लाया गया। जहां ऑपरेशन के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मामला महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के भामरागढ़ तहसील क्षेत्र का है। शहीद जवान दीपक को गार्ड ऑफ ऑनर देकर शव गृहग्राम रवाना किया गया है। इस मुठभेड़ में एक और जवान किष्ट्यापल्ली के रहने वाले जोगा मदवी को भी रात में एक गोली लगी थी।

परिजनों ने दी अंमित विदाई

उन्हें भी एयरलिफ्ट करके भामरागड़ लाया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर है। 3 नक्सलियों के शव और हथियार बरामद मुठभेड़ इलाके से तीन माओवादियों के शव (2 पुरुष और एक महिला) बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही,ञ्च-47 और एक स्न्र राइफल बरामद की गई है। मारे गए नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ की पुष्टि महाराष्ट्र पुलिस ने की है। इलाके में ऑपरेशन और तलाशी अभियान जारी है।

नर्मदा परिक्रमा पथ में मछली मटन बाजार से धर्मप्रेमियों में रोष मुख्यमंत्री के आदेश के बाद भी नहीं बन पाया मीट बाजार

मण्डला (नि.प्र.)

उपनगर महाराजपुर से मानादेई घाघा जाने वाले मार्ग से लगी मुख्य सड़क में रोजाना मछली मटन का बाजार सजा दिखाई देता है। दर्जनों की संख्या में महिला और पुरूष रोड़ किनारे मछली मटन बेचते दिखाई देते हैं। जबकि यह मार्ग नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए मुख्य मार्ग में शामिल है। नर्मदा परिक्रमा में निकले धर्मप्रेमी जब यहां पहुंचते है तो यहां का वातावरण अजीव सा दिखाई देता है। यहीं नही मछली के कांटा मास और खून मुख्य मार्ग में ही फेंक दिया जाता है तो मुर्गा मटन के तुकड़े भी सड़क में दिखाई देते हैं जिससे नर्मदाप्रेमियों में निराशा दिखाई दे रही है मार्ग हैं कि इस बाजार को यहां से हटाते हुए अन्यत्र स्थान में भेजा जाए। वहीं दूसरी ओर नगर के नागरिकों का कहना है कि मुख्य मंत्री ने हर जिले में मछली मटन बाजार लगाने के लिए स्थान सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए नगर पालिका को बाजार बनाने के निर्देश दिए थे वहीं खुलेआम मछली मटन बेचने पर रोक लगा दी गई थी।

लेकिन मंडला में इसका बिल्कुल भी पालन नही हुआ है। मां नर्मदा की उत्तरवाहिनी परिक्रमा सिर्फ एक यात्रा नहीं बल्कि आस्था तप संयम और श्रद्धा की जीवंत परंपरा है। देश के कोने-कोने से हजारों श्रृद्धालु नर्मदा मैया की परिक्रमा करते हुए मंडला पहुंचते हैं। कोई पैदल कोई दंडवत, कोई परिवार सहित सबका उद्देश्य एक ही होता है मां नर्मदा के चरणों में श्रद्धा अर्पित करना। लेकिन इसी पवित्र यात्रा के दौरान मंडला जिला मुख्यालय के उपनगर महाराजपुर स्थित कारीकोन तिराहा आज आस्था के लिए सबसे बड़ी कसौटी बन चुका है। यह वही मार्ग है जहां से उत्तरवाहिनी परिक्रमा करने वाले श्रृद्धालुओं का निरंतर आवागमन होता है। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि इसी पवित्र रास्ते पर बड़ी संख्या में मछली और मटन की दुकानें खुलेआम लगाई जाती हैं। कच्चा मांस, सड़ती मछलियां, गंदगी और तेज दुर्गंध श्रद्धालुओं का यहां से गुजरना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं रह गया है। परिक्रमा व्रत में रहने वाले श्रद्धालु सात्विक जीवन जीते हैं। न मांस, न मदिरा, न हिंसा केवल भक्ति और संयम ऐसे में जब वे जिला मुख्यालय के उपनगर महाराजपुर कारीकोन तिराहा के पास पहुंचते हैं तो वहां फैली मांस-मछली की बदबू उनके व्रत और भावना दोनों को आहत करती है। कई श्रद्धालु नाक पर कपड़ा रखकर, आंखें मूंदकर इस हिस्से को पार करने को मजबूर हैं। श्रद्धालुओं का कहना है कि यह केवल असुविधा नहीं, बल्कि उनकी आस्था पर सीधा प्रहार है।

जिस मार्ग को पवित्र माना जाता है वहां इस तरह का नजारा न सिर्फ अपमानजनक है बल्कि प्रशासनिक असंवेदनशीलता का प्रमाण भी है। यह कोई नई समस्या नहीं है। वर्षों से स्थानीय नागरिक, साधु-संत और परिक्रमावासी इस मार्ग से मछली-मटन की दुकानों को हटाने की मांग करते आ रहे हैं। मौखिक शिकायतें, लिखित आवेदन, जनप्रतिनिधियों से आग्रह सब कुछ हो चुका है। लेकिन नतीजा वही ढाक के तीन पात। प्रशासनिक अमला या तो इस समस्या से अनजान बना हुआ है या जानबूझकर आंखें मूंदे बैठा है।

नगर पालिका, पुलिस, राजस्व विभाग सबकी जिम्मेदारी बनती है लेकिन कार्रवाई कहीं नजर नहीं आती। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या नगर प्रशासन को यह नहीं पता कि यह उत्तरवाहिनी परिक्रमा का प्रमुख मार्ग है क्या यहां दुकान लगाने की अनुमति दी गई है यदि नहीं तो फिर रोजाना इतनी बड़ी संख्या में मांस-मछली की दुकानें कैसे लग जाती हैं स्थानीय लोगों का आरोप है कि या तो प्रशासन की मिलीभगत है या फिर जिम्मेदार अधिकारी पूरी तरह लापरवाह हैं। नियम-कायदों की बात केवल कागजों तक सीमित है जमीन पर हालात बिल्कुल उलट हैं। मंडला को नर्मदा नगरी कहा जाता है। यहां की पहचान ही मां नर्मदा और उनसे जुड़ी आस्था है। ऐसे में उत्तरवाहिनी परिक्रमा मार्ग पर मटन-मछली की खुलेआम बिक्री होना न सिर्फ श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाता है बल्कि जिले की धार्मिक छवि पर भी सवाल खड़े करता है। देश के कई धार्मिक स्थलों पर ऐसे मार्गों में विशेष नियम लागू होते हैं मांसाहार पर प्रतिबंध, साफ-सफाई के कड़े इंतजाम, पुलिस निगरानी।

लेकिन मंडला में ऐसा क्यों नहीं यहां यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि किसी के रोजगार के खिलाफ कोई नहीं है। मछली-मटन बेचने वाले भी अपने परिवार का पेट पालते हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या इनके लिए कोई वैकल्पिक स्थान तय नहीं किया जा सकता क्या धार्मिक मार्ग से कुछ दूरी पर इन्हें व्यवस्थित रूप से स्थानांतरित नहीं किया जा सकता समस्या का समाधान संभव है बस इच्छाशक्ति की जरूरत है। लेकिन जब इच्छाशक्ति ही न हो, तो अव्यवस्था ही हावी रहती है। परिक्रमा वासी आक्रोशित जरूर हैं लेकिन संयम नहीं छोड़ते। वे प्रशासन से टकराव नहीं चाहते, सिर्फ सम्मान चाहते हैं अपनी आस्था का सम्मान। कई साधु-संतों ने भी इस स्थिति पर नाराजगी जताई है और कहा है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो यह मुद्दा बड़ा आंदोलन भी बन सकता है। कारीकोन तिराहा आज सिर्फ एक चौराहा नहीं बल्कि प्रशासन की संवेदनशीलता की परीक्षा बन चुका है।

क्या जिला प्रशासन समय रहते कदम उठाएगा क्या नगर पालिका वैकल्पिक व्यवस्था करेगी, क्या पुलिस नियमों का पालन कराएगी या फिर हर साल की तरह इस साल भी परिक्रमावासी बदबू सहते हुए, मन मारकर आगे बढ़ जाएंगे उत्तरवाहिनी परिक्रमा मंडला की पहचान है गर्व है लेकिन अगर इसी परिक्रमा मार्ग पर आस्था को रोज ठेस पहुंचे तो यह पूरे जिले के लिए शर्म का विषय है। अब भी वक्त है कि प्रशासन जागे जिम्मेदारी निभाए और इस पवित्र मार्ग को बदबू और अव्यवस्था से मुक्त करे। वरना इतिहास यह जरूर याद रखेगा कि जब आस्था कराह रही थी तब जिम्मेदार कुर्सियों पर बैठे लोग मौन साधे बैठे थे।

अंधी हत्या का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

मण्डला (नि.प्र.) बंजाराटोला खुर्शीपार स्थित गिट्टी खदान के पानी से भरे गड्ढे में एक महिला का शव तैर रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची एवं उपस्थित ग्रामीणों के समक्ष शव को पानी से बाहर निकलवाया गया। शव की पहचान सुकदेव उइके निवासी ग्राम खोहरी द्वारा अपनी माता हरौती बाई के रूप में की गई जांच में पाया गया कि मृतिका 6 जनवरी को रोज की तरह खेत गई थी जो वापस नहीं लौटी थी। इस संबंध में 7 जनवरी को थाना नैनपुर में गुम इंसान रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शव परीक्षण के दौरान मृतिका के सिर पर पीली प्लास्टिक बोरी में पत्थर बंधे होना कमर में ईंट पत्थर बंधे होना गले में गमछा लिपटा होना तथा मृतिका की लाठी शव के साथ बंधी होना पाया गया जिससे हत्या कर साक्ष्य छुपाने का प्रयास स्पष्ट हुआ। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना महाराजपुर में अपराध क्रमांक 30/2026, धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध किया गया पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के निर्देशन पर एसडीओपी पीयूष मिश्रा के नेतृत्व में विशेष टीम एसआईटी गठित की गई।

तकनीकी सहायता एवं स्थानीय सूचना के आधार पर संदेही संदीप भलावी से पूछताछ की गई जिसने अपराध स्वीकार किया जांच में पाया गया कि आरोपी संदीप भलावी के पिता का खेत वर्ष 2015 में मृतिका के पुत्र सुकदेव उइके को ठेके पर दिया गया था जिसे वापस न मिलने के कारण दोनों परिवारों में लंबे समय से विवाद चल रहा था घटना से लगभग दो दिन पूर्व आरोपी के बैल मृतिका के खेत में लगी फसल को खा गए थे जिस पर मृतिका द्वारा आरोपी को गाली-गलौज की गई थी। इसी रंजिश के चलते आरोपी ने मृतिका की हत्या करने की योजना बनाई थी। खुलासा में एसडीओपी पियूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महाराजपुर निरीक्षक डॉ.जयसिंह यादव, थाना प्रभारी नैनपुर बलदेव मुजाल्दा, उनि भूपेन्द्र अहिरवार, लक्ष्मीचंद बिसेन, नागेंद्र पटेल, सउनि रमेश पाल, प्रआ. माखन वरकड़े, विजय टेकाम, आरक्षक अमित गरयार, शिवा नाविक, सुंदर भलावी, हरिदास, ओमप्रकाश, सुरेश भटेरे, सूर्यचंद बघेल महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अवैध शराब पर कार्यवाही

मण्डला (नि.प्र.) कलेक्टर के निर्देशन में कार्यालय कलेक्टर से प्राप्त शिकायत पर आबकारी एवं तहसीलदार की उपस्थिति में मदिरा के अवैध विक्रय पर महाराजपुर आंगन तिराहा में दबिश की कार्यवाही की गई। जिसमें गरुण नाविक के दुकान की विधिवत तलाशी लेने पर 17 बोतल बियर, 6 कैन बियर एवं 1 बोतल विदेसी मदिरा, 13 नग विदेसी मदिरा के बरामद किये गए। जप्त मदिरा की कुल अनुमानित कीमत 9500 रूपए है। आरोपी के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

25 हजार रुद्राक्ष से बना शिवलिंग

मण्डला (नि.प्र.) महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर एक अद्भुत और ऐतिहासिक धार्मिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है। 15 फरवरी को श्रृद्धालुओं के दर्शन एवं पूजन हेतु 25 हजार पवित्र रुद्राक्ष से निर्मित लगभग 6 फीट ऊंचा भव्य शिवलिंग भक्तों के लिए स्थापित किया जाएगा। रुद्राक्ष से निर्मित शिवलिंग का सनातन धर्म में अत्यंत विशेष महत्व माना गया है। मान्यता है कि रुद्राक्ष शिवलिंग की पूजा से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है आध्यात्मिक उन्नति होती है आत्मा को शांति मिलती है नकारात्मक ऊर्जा का नाश होता है और जीवन में सुख, समृद्धि एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इस विशेष शिवलिंग का निर्माण जिला पंचायत मंडला के सामने स्थित हनुमान शेषनाग राम दरबार मंदिर में किया जा रहा है। इस अद्भुत कलाकृति के सृजनकर्ता जिले के सुप्रसिद्ध बॉटल आर्टिस त्रिलोक सिंधिया है।

रंगों और भावों की कविताओं ने मोहा मन

मण्डला (नि.प्र.)

कविताओं की पिटारी से कवि और कवित्रियों ने विभिन्न रंगों और भावों की कविताएं निकालीं। सभी को भाव विभोर कर दिया। गोंडी पब्लिक ट्रस्ट में हिंदी लेखिका संघ, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, संस्कार भारती और शहर समता विचार मंच की सामूहिक गोष्ठी का मधुरिम मिलन आयोजन किया गया। हिंदी लेखिका संघ की अध्यक्ष मालती लखेरा, अखिल भारतीय साहित्य परिषद अध्यक्ष प्रीति दुबे और संस्कार भारती के साथ शहर समता की अध्यक्ष डॉ अर्चना जैन के सामूहिक संयोजन में इस गरिमामयी गोष्ठी का आयोजन हुआ। सरस्वती वंदना नवनीता दुबे नूपुर ने किया। मंच संचालन प्रज्ञा बाजपेयी का रहा। डॉ अर्चना जैन ने यूजीसी एक्ट की जानकारी सभा के बीच प्रस्तुत की और अपनी कालजयी रचना विषबेली को इस संदर्भ में प्रस्तुत किया। नदी नाले उफान पर हैं पर आप क्यों तूफ़ान पर हैं मौसम का मिजाज गर बदला अपना मिजाज समझलिये। उक्त भाव प्रज्ञा तांबे ने रखे। विनीता मिश्रा ने अपना दर्शन प्रस्तुत करते हुए कहा प्रारंभ हुआ जीवन का सूरज ढलना। दीप्ति खरे का कटाक्ष भीड़ बड़ी थी भारी लंबी लगी थी लाइन, शहर में देखो आज खुली है खुशियों की दुकान। सामाजिक समरसता लेकर सुदृढ़ समाज बनाना होगा-प्रज्ञा बाजपेयी ने पढ़ा। डॉ रश्मि बाजपेयी ने अपने उद्गार में कहा-युवाओं से आव्हान, जय का शंखनाद हो। ज्वलंत प्रस्तुति करते हुए कहा-जली चिता की राख पूछती, गोरा कौन यहाँ काला साधना श्रीवास्तव ने पढ़ा-रूप नहीं यदि नश्वर होता,जीवन में श्रृंगार न होता। अध्यक्षीय आसंदी से मालती लखेरा ने पढ़ा-मन की कली खिल गई प्रीति दुबे अध्यक्ष अखिल भारतीय साहित्य परिषद ने भी नशा वृत्ति नशे से दूर रहना भैया बुरी है ये बीमारी को लेकर जनमानस में चेतना का प्रस्फुरण किया। अंगद पड़वार और लखन कछवाहा ने भी अपनी भावपूर्ण रचनाओं से लोगों के दिलों पर छाप छोड़ी। कल्पना नागेश्वर ने अपने उद्गार में यूजीसी का प्रबल विरोध करते हुए इसे समाज को काटने वाला काला अध्याय बताया।

शिक्षकों के लिए नवाचारयुक्त पहल प्रारंभ

मण्डला (नि.प्र.)

विकासखण्ड नारायणगंज के अंतर्गत आने वाले संकुल केन्द्र शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मंगलगंज में 4 फरवरी को समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार विश्वकर्मा के मार्गदर्शन एवं पहल पर आयोजित हुआ जो शिक्षकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में एक नवाचारपूर्ण सराहनीय एवं प्रेरणादायी प्रयास के रूप में देखा जा रहा है विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रत्येक संकुल केन्द्र में शिक्षकों की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मंगलगंज संकुल केन्द्र में आयोजित शिविर में संकुल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया शिविर में उपस्थित होकर शिक्षकों ने अपनी अपनी समस्याएं सीधे विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के समक्ष रखीं श्री विश्वकर्मा ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उनके शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण का आश्वासन दिया। विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार विश्वकर्मा का फूलमाला एवं तिलकवंदन कर स्वागत किया गया। इस दौरान प्राचार्य बलवन्त सिंह पटेल, आरके गुप्ता, मण्डल संयोजक रामरतन वरकड़े, सहायक ग्रेड देवी सिंह धुर्वे, कुसुम लाल उइके, शेख रहमान बेहना, नरबद सिंह मरावी, राम दयाल वरकड़े, नर्मदा परते, चैनसिंह मरावी, सुशील कुमार मरावी, गंगोत्री, जागेश्वरी उइके सहित संकुल के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा से मिली राहत

मण्डला (नि.प्र.)

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत भारतीय स्टेट बैंक अंजनिया के धीरज कुमार कोष्ठा बैंक मैनेजर के द्वारा नॉमिनी को चेक दिया गया यह चेक ब्रजेश कुमार बंशकार जिनकी मृत्यु अचानक हुई और जिनका भारतीय स्टेट बैंक अंजनिया में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा का बीमा था जिस दिन ब्रजेश कुमार बंशकार मृत हुए उसके ठीक 45 दिन के अंदर उनकी पत्नी शिखा बंशकार भारतीय स्टेट बैंक में जाकर धीरज कुमार कोष्ठा से संपर्क किया तत्काल ब्रजेश कुमार बंशकार कुमार के खाते में किये गए बीमा का फार्म बैंक से उपलब्ध कराया और लगभग 1 महीने के बाद गुरूवार को नॉमिनी शिखा बंशकार को धीरज कुमार कोष्ठा बैंक मैनेजरके द्वारा 2 लाख का चेक दिया गया जिससे उनके परिवार में खुशी छा गई एक सरकारी दुर्घटना बीमा योजना है यह योजना 2 लाख रुपये का दुर्घटना मृत्यु या विकलांगता कवर प्रदान करती है जिसका प्रीमियम सीधे पॉलिसीधारक की मृत्यु होने के बाद नॉमिनी के बैंक खाते से ट्रांसफर कर दिया जाता है और बीमा हर एक नागरिक को करवाना चाहिए जिससे उनके परिबार के लोगो को बीमा का लाभ मिल सके इस कार्य को पूर्णत: सफल करने मे विशेष मार्गदर्शन क्षेत्रीय प्रबंधक आनन्द कुमार द्वारा दिया गया एवं शाखा के समस्त स्टाफ ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

बिना हेलमेट धारण किये अब दुपहिया वाहन चालकों को नहीं मिलेगा पेट्रोल

मण्डला (नि.प्र.)

सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु एवं गंभीर चोटो से दोपहिया वाहन चालक ग्रसित होते आ रहे हैं जो एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। इन्ही कारणों के मद्देनजर कलेक्टर मंडला सोमेश मिश्रा के द्वारा एक आदेश जारी किया गया है। बताया गया है कि मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 129 में यह प्रावधानित है कि, च्चिकसी वर्ग या वर्णन की मोटर सायकिल को चलाने वाला या उस पर सवारी करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को हेलमेट पहन कर चलना अनिवार्य है।

किसी सार्वजनिक स्थान पर हो, ऐसा सुरक्षात्मक दृष्टी से हेलमेट पहन कर चलना भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों के समरूप है। जिले की संपूर्ण राजस्व सीमा क्षेत्र में स्थित समस्त पेट्रोल पंप संचालक / प्रबंधकों को निर्देशित किया है कि ऐसे दो पहिया वाहन चालक जिन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों के समरूप हेलमेट धारण नहीं किया हो, उन्हें पेट्रोल प्रदाय नहीं किया जाए। उक्त निर्देशों का उल्लंघन किए जाने की स्थिति में संबंधित संचालक के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। पंप स्टाफ को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश प्रदान करते हुए पेट्रोल पंप परिसर में उक्त आदेश का कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें।

जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली

मण्डला (नि.प्र.) 100 दिवसीय अभियान के तीसरे फेज में बाल विवाह रोकथाम के लिए गुरुवार को ग्राम पंचायत अंजनी जनपद पंचायत मवई में जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। जिसमें वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले द्वारा लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत के निर्माण में सहयोग प्रदान करने जागरूक करते हुये शपथ दिलाई गई। जिला स्तर में संचालित कन्ट्रोल रूम की भी जानकारी दी गई पीएलवी श्रीमती शिखा श्रीवास्तव विधिक सेवा प्राधिकरण ने उपस्थित प्रतिभागियों को कानून के प्रति सजग रहने के साथ विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लोगों को दी जाने वाली सहायता एवं विधिक सहायता प्राप्त करने टोल फ्री नं. 15100 की जानकारी दी।

थाना प्रभारी की कार्यशैली के विरोध में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

गोंडवाना पार्टी ने किया टीआई का समर्थन

मण्डला (नि.प्र.)

विश्व हिंदु परिषद एवं बजरंग दल के बैनर तले सैकड़ों की तादात में कार्यकर्ताओ ने नैनपुर थाना प्रभारी की कार्यशैली के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता नैनपुर थाने पहुंचे, जहां थाना परिसर के अंदर बैठकर सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया और विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि नैनपुर थाना प्रभारी विश्व हिंदु परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं की आवाज न सुनने और उनके साथ दुर्व्यवहार करते है।

इस प्रदर्शन में नैनपुर नगर के साथ-साथ बम्हनी मंडल एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने नैनपुर थाना प्रभारी टीआई बलदेव सिंह मुजालदा की कार्यशैली पर गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए एडिशनल पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमे उचित कार्यवाही करते हुए टी आई नैनपुर को तत्काल हटाने की मांग की है।

सौंपे गये ज्ञापन में विश्व हिंदु परिषद एवं बजरंग दल ने आरोप लगाया कि नैनपुर थाने में पदस्थ थाना प्रभारी द्वारा हिंदू संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं के प्रति द्वेषपूर्ण, अमर्यादित और अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है। संगठन का कहना है कि कार्यकर्ताओं को असंगत भाषा में संबोधित किया जाता है तथा जानबूझकर प्रताड़ित कर उनकी सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

संगठन के पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं पर गलत एवं एकतरफा कानूनी कार्यवाही की जा रही है। थाने में न्यायपूर्ण सुनवाई के स्थान पर दबाव और अपमान का वातावरण बना हुआ है, जिससे क्षेत्र में तनाव और असंतोष लगातार बढ़ रहा है।

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने इस स्थिति को पुलिस प्रशासन की गरिमा और कानून व्यवस्था के लिए घातक बताते हुए पुलिस अधीक्षक से इस पूरे मामले में तत्काल संज्ञान लेकर उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। साथ ही ज्ञापन में जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए टीआई बलदेव सिंह मुजालदा को तत्काल प्रभाव से नैनपुर थाने से हटाने की मांग की गई है।

संगठन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यदि 24 घंटे के भीतर मांगों पर गंभीरता से विचार कर उचित कार्यवाही नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से क्षेत्र में शांति, न्याय और निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की है।

गोंडवाना पार्टी ने खोला मोर्चा

वही अब इस मामले में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, नैनपुर ने अपना मोर्चा खोलते हुए टी आई पर अनर्गल आरोप का विरोध जताया है। एक आकस्मिक बैठक आयोजित कर सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हिन्दू समाज के एक पीड़ित परिवार को पार्टी द्वारा हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। पीड़ित परिवार ने पार्टी को अवगत कराया कि पूर्व में उनके साथ घटित एक गंभीर घटना के संबंध में लगातार दबाव बनाकर जबरन बयान बदलने का प्रयास किया जा रहा है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा किसी भी निर्दोष परिवार के साथ अन्याय, दबाव या भय की राजनीति का विरोध जताया है। किसी भी अधिकारी पर झूठे आरोप लगाकर दबाव बनाना अस्वीकार्य किया है।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कहा है कि वह सभी समाजों से शांति, सद्भाव और कानून के सम्मान की अपील करती है तथा प्रशासन से निष्पक्ष और निर्भीक कार्रवाई की अपेक्षा करती है।

समस्याओं का मौके पर किया निराकरण

बिलौआ। नगर परिषद बिलौआ द्वारा नगर सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत गुरुवार को वार्ड 5 में नागरिकों के घर घर जाकर उनकी समस्याएं सुनी गईं और कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। अन्य समस्याओं के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर नगर परिषद बिलौआ अध्यक्ष विजय लक्ष्मी शिवराम चौरसिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मोहम्मद सलीम खान, पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान पार्षद सुनील चौरसिया, पार्षदगण गणेश यादव, रविन्द्र चौरसिया, लेखपाल अरुण कुमार गुप्ता, उपयंत्री शिव शंकर सिसोदिया, मनीष शाक्य, सफाई प्रभारी धर्मेंद्र खरे , ब्रजेश भार्गव, बनबारी लाल जाटव, अभिषेक चौरसिया, कपिल चौरसिया, अंकित चौरसिया, गुलाब जाटव एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना स्वीकृति बदली गई थी कर्मचारी की श्रेणी, जांच में खुलासा

ग्वालियर। नगर निगम में करीब 12 साल पहले अकुशल श्रेणी में नियुक्त दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी नीरज श्रीवास्तव की श्रेणी दस्तावेजों में हेरफेर कर कुशल कर दी गई थी। इसके चलते उन्हें अधिक वेतन का लाभ भी मिलता रहा और जनकल्याण विभाग में सहायक नोडल अधिकारी का प्रभार भी सौंप दिया गया। आरटीआई कार्यकर्ता अनूप यादव की शिकायत पर लोकायुक्त ने मामले में निगम से रिपोर्ट मांगी। जांच के बाद निगमायुक्त संघ प्रिय ने पाया कि नीरज श्रीवास्तव की नियुक्ति वर्ष 2012 में अकुशल श्रेणी में हुई थी और 2014 में बिना विधिवत स्वीकृति के उन्हें कुशल श्रेणी में दर्शा दिया गया।जांच में सामने आया कि तत्कालीन अधिकारियों द्वारा केवल कर्मचारियों की मियाद वृद्धि को मंजूरी दी गई थी, न कि श्रेणी परिवर्तन को। इसके बावजूद श्रेणी बदलकर अधिक वेतन भुगतान किया जाता रहा। मामले में कार्रवाई करते हुए निगमायुक्त ने नीरज श्रीवास्तव की श्रेणी पुन: अकुशल कर दी है और अब उन्हें उसी श्रेणी के अनुसार वेतन देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, अब तक दिए गए अधिक वेतन की रिकवरी के भी आदेश जारी किए गए हैं।

दोस्तों में मजाक के दौरान चली गोली , पैर की उंगली में गोली लगी

नगर संवाददाता, शिवपुरी

हजीरा थाना क्षेत्र में दो दोस्तों में मजाक-मजाक में गोली चल गई। एक युवक के पैर की उंगली में गोली लगने से युवक घायल हो गया। गोली चलने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने गोली चलाने वाले की तलाश शुरू कर दी है। हजीरा थाना प्रभारी जितेन्द्र तोमर ने बताया कि कांच मिल पंजाबी वाली गली में रहने वाला मोनू राठौर और विवेक सिकरवार दोस्त हैं। गुरुवार शाम के समय वह घर के पास ही खड़े थे। दोनों के बीच मजाक चल रहा था तभी विवेक ने कमर से कट्टा निकालकर गोली चला दी। गोली चलते ही बस्ती में सनसनी फैल गई। बताया गया है कि मोनू के पैर की उंगली में गोली लगने से वह घायल हो गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस को मौके से खाली खोखा भी मिला है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पुराने विवाद में जमकर चले लात-घूसें, गाड़ी तोड़ीं

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पुराने विवाद के चलते दो पक्षों में जमकर लात-घूसें चल गए। झगड़े में दोनों ही पक्ष के लोग घायल हो गए और गाड़ी भी तोड़ डाली। झगड़े के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र स्थित शिव मंदिर पिंटो पार्क कॉलोनी निवासी भूपेन्द्र सिंह पुत्र नाहर सिंह तोमर का कुलदीप सिंह भदौरिया और पुष्पेन्द्र सिंह भदौरिया से पुरानी रंजिस चल रही है। बुधवार रात 9 बजे के करीब भूपेन्द्र अपने भाई कोमल सिंह के साथ जा रहा था अभी वह पिंटो पार्क पानी की टंकी के पास के पास पहुंचा ही था तभी वहां पर कुलदीप, पुष्पेन्द्र सिंह भदौरिया तथा उनके तीन साथियों ने रास्ता रोक लिया और बहस करने लगे। जब बात ज्यादा बढ़ गई तो दोनों पक्षों में मारपीट होना शुरु हो गई। झगड़े में भूपेन्द्र और कोमल घायल हो गए। हमलावरों ने गाड़ी में भी तोड़फोड़ कर दी। झगड़े की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और फरियादी की शिकायत पर आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी।

53 दिव्यांग विद्यार्थियों को दिए निःशुल्क उपकरण

नगर संवाददाता, शिवपुरी

दिव्यांग विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में जनपद शिक्षा केंद्र भितरवार में निःशुल्क उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के निर्देशानुसार आयोजित शिविर में शासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 53 दिव्यांग विद्यार्थियों को चिकित्सीय मूल्यांकन के उपरांत आवश्यक उपकरण प्रदान किए गए।

इस दौरान भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम के विशेषज्ञों ने व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल, बैसाखी, एल्बो ब्रेल, स्लेट ब्रेल किट, हियरिंग एड, सीपी चेयर एवं बड़ा रोलेटर जैसे उपकरण प्रदान कर उनके उपयोग की विधि समझाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम राजीव समाधिया ने कहा कि दिव्यांग बच्चे किसी भी प्रकार से कमजोर नहीं होते,आवश्यकता है तो केवल उन्हें समझने, सहयोग देने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की। उन्होंने शिक्षकों, अभिभावकों और समाज से अपील की कि दिव्यांग विद्यार्थियों के साथ सामान्य बच्चों की तरह व्यवहार किया जाए और उनकी रुचि व प्रतिभा के अनुसार शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। बीआरसीसी नरहरि मिश्रा ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए शिक्षा विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम के पश्चात दिव्यांग विद्यार्थियों, अभिभावकों शिक्षकों को भोजन कराया गया। इस मौके पर कार्यक्रम की नोडल एमआरसी मनीषा शिवहरे, रणवीर सिंह राणा, बृजेश कटरोलिया, देवेंद्र बघेल, महेंद्र राजपूत, लोकेंद्र रावत, विष्णु शिवहरे, संजू जाटव, खेमराज मेहर, ललित सिंह, अनिल मोदी, प्रिया वर्मा, नीरज मौर्य, अनंत सिंह, विवेक कुमार, भारत-भूषण जोशी, राकेश यादव, शिवकुमार लक्षकार आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हार में मिलीं आधा दर्जन से अधिक लावारिस बाइकें

जौरा। स्थानीय पुलिस को अकबरपुर गांव के हार में आधा दर्जन से अधिक लावारिस बाइकें मिली हैं। जानकारी के अनुसार नगर निरीक्षक दर्शन शुक्ला को अकबरपुर गांव के हार में जुआ खेलने की सूचना मिली थी। जिस पर वह पुलिस टीम को लेकर मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचे। जहां आधा दर्जन से अधिक लावारिस बाइकें खड़ी मिलीं। आसपास कोई भी व्यक्ति नहीं था। ग्रामीणों से बाइकों के संबंध में पूछताछ भी की गई लेकिन कोई भी कुछ भी नहीं बता सका। इस पर पुलिस ने लावारिस खड़ी सभी बाइकों को थाने में लाकर रखवा दिया है। बाइकों के पंजीयन नंबर के आधार पर बाइक मलिकों की तलाश की जा रही है।

मुआवजा के रुपए मांगने पर पीटा

श्योपुर। बरगवां थाना क्षेत्र में मुआवजा राशि मांगने पर फरियादी की मारपीट कर दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी सुरेश जाटव पुत्र भिल्लू जाटव उम्र 45 साल निवासी ग्राम जाकदा ने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि गत दिवस सुबह 9.30 बजे फरियादी के घर के सामने रोड किनारे आरोपी हुकम रावत व अखयपाल रावत निवासी ग्राम जाकदा ने जमीन के मुआवजे के रुपए मांगने को लेकर जाति-सूचक गाली-गलौज करते हुए फरियादी की मारपीट कर दी। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पीएम आवास कॉलोनी में डीजे बंद कराने पर मेडिकल छात्र के साथ मारपीट

शिवपुरी। शिवपुरी मेडिकल कॉलेज के पीछे स्थित प्रधानमंत्री आवास योजना कॉलोनी के रहवासी असामाजिक गतिविधियों से परेशान हैं। बुधवार देर शाम तेज आवाज में डीजे बजाने से मना करने पर सी-3 ब्लॉक निवासी मनोज वाल्मीकि द्वारा एक मेडिकल छात्र और पड़ोसी के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। रहवासियों का आरोप है कि आरोपी आए दिन शराबखोरी करता है। परेशान लोगों ने जिलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

यूजीसी के विरोध में बंद रहे बाजार

मुरैना। नए यूजीसी कानून के विरोध में गुरुवार को मुरैना के बाजार बंद रहे। हालांकि बंद का असर मिलाजुला रहा। इस दौरान व्यापारियों की टोलियां बाजार बंद कराती देखी गईं। सुबह नौ से दोपहर दो बजे तक शहर के प्रमुख बाजार में दुकानें बंद रहीं। दरअसल इस समय साहलग का दौर प्रारंभ हो गया है इसलिए अधिकारियों की समझाइश पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों को दोपहर दो बजे के बाद खोल लिया था। इस दौरान लोग खरीदारी करने बाजार में पहुंचे। इस दौरान हनुमान चौराहा, स्टेशन रोड, लोहिया बाजार, बजरिया, पंसारी बाजार, मारकण्डेश्वर बाजार, सिकरवारी बाजार आदि प्रमुख व्यापारिक केन्द्रों पर अधिकांश दुकानें बंद रहीं।

चंबल राजघाट क्षेत्र में नष्ट किया 19 हजार ट्रॉली रेत

अवैध रेत खनन के विरुद्ध लगातार तीसरे दिन जारी रही प्रशासन की कार्रवाई

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जेसीबी से अवैध रेत नष्ट करते हुए।

जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत खनन, परिवहन, भंडारण के विरुद्ध लगातार तीसरे दिन प्रभावी कार्रवाई की गई। गुरुवार को चंबल राजघाट और भानपुर में वन विभाग, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग के संयुक्त टास्क फोर्स द्वारा जेसीबी से लगभग 19 हजार ट्रॉली अवैध रेत नष्ट किया गया। नष्ट किए गए रेत का अनुमानित मूल्य 3.80 करोड़ रुपए बताया गया है।

जिलाधीश लोकेश कुमार जांगिड़ ने अवैध रेत खनन, परिवहन, भंडारण को लेकर जिला टास्क फोर्स की बैठक में सख्त निर्देश दिए थे कि इस प्रकार की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए टास्क फोर्स द्वारा निरंतर कार्रवाई की जाए। अभियान के दौरान कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल की प्रभावी तैनाती रही। जिला प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह संयुक्त कार्रवाई आगे भी सतत रूप से जारी रहेगी। रेत विनिष्टिकरण की प्रक्रिया में 20 जेसीबी और आठ लोडरों का उपयोग किया गया। कार्रवाई के दौरान वन मंडल अधिकारी हरिशचंद्र बघेल के नेतृत्व में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र डाबर, एसडीएम बीएस कुशवाह, जिला खनिज अधिकारी सुखदेव निर्मल, पुलिस लाइन के आरआई, राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य के एसडीओ सहित संबंधित राजस्व अमला उपस्थित रहा।

मारपीट करने वाले दो भाइयों को छह-छह माह का सश्रम कारावास

भिण्ड। न्यायिक मजिस्ट्रेट जिला भिण्ड ने मारपीट के मामले में आरोपी पवन सिंह उम्र 25 वर्ष एवं विपिन उर्फ यीशू उम्र 24 वर्ष पुत्रगण रामकरन बघेल निवासी ग्राम साहिबे का पुरा जौरी अहीर थाना फूप को धारा 325/34 भादंसं में छह-छह माह के सश्रम कारावास एवं 500-500 रुपए जुर्माने से दंडित किया है। इस मामले में अभियोजन की ओर पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी ममता यादव ने की। अभियोजन के अनुसार 31 मार्च 2022 की रात करीब आठ बजे फरियादी विकास सिंह यादव बच्चों के झगड़े का उलाहना देने पवन बघेल के पास गया। वह उसे पप्पू बघेल के मकान के सामने गली में मिला। इसी बात पर पवन बघेल व यीशू बघेल उसे गालियां देने लगे। उसने गाली देने से मना किया तो पवन ने उसे कुल्हाड़ी मारी जो सिर में लगी। यीशू ने फावड़ा मारा एवं मारपीट की। मौके पर भारत सिंह व मनोज आ गए। जिन्होंने उसे बचाया। फरियादी द्वारा घटना की सूचना आरक्षी केन्द्र फूप में दी गई थी।

दीवार तोड़कर किराने की दुकान से ढाई लाख की चोरी

नगर संवाददाता, शिवपुरी

मालनपुर थाना क्षेत्र में हरिराम की कुइया स्थित एकेवीएन मार्केट में बीती रात किराना व्यापारी की दुकान से 60 हजार रुपए नकद सहित ढाई लाख की चोरी की घटना सामने है। हरिराम की कुइया पर मुनीर खान थोक किराना दुकान चलाते हैं। रोज की तरह वह रात में दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। सुबह जब उन्होंने दुकान का शटर खोला और भीतर गए तो उन्हें चोरी का पता चला। दुकान में नकद रखे 60 हजार रुपए सहित किराने का सामान गायब था। साथ ही दुकान की दीवार में छेद था। चोर दीवार तोड़कर दुकान में अंदर घुसे थे। दुकानदार ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने दुकान पर पहुंचकर मौका मुआयना किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीतांबरा पीठ परिसर में साधना करने पर पूर्ण प्रतिबंध, समिति रखेगी नजर

नगर संवाददाता, शिवपुरी

धार्मिक स्थलों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं अव्यवस्थाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से दतिया एसडीएम संतोष तिवारी ने अहम आदेश जारी किए हैं। वनखंडेश्वर महादेव मंदिर को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अब मंदिर परिसर में कोई भी व्यक्ति बैठकर साधना नहीं करेगा। आदेश के अनुसार यदि कोई व्यक्ति मंदिर परिसर में साधना करता हुआ पाया गया, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन का मुख्य उद्देश्य मंदिर परिसर में शांति, व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करना है। आदेश जारी करने से पूर्व संबंधित पक्षों के साथ बैठक कर आवश्यक हिदायतें भी दी गई थीं।

वहीं दूसरी ओर दतिया के प्रसिद्ध श्री पीतांबरा पीठ परिसर में भी खुले में बैठकर साधना (जप) करने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। पीठ प्रबंधन द्वारा साधकों एवं पंडितों के लिए दो निर्धारित स्थल तय किए गए हैं- क्रमणिपुर धाम तथा नव निर्मित स्वामी साधना केंद्र। अब केवल इन्हीं स्थानों पर साधना की अनुमति होगी।

इस संबंध में परिसर में सूचना चस्पा कर दी गई है तथा निगरानी के लिए एक समिति का गठन भी किया गया है। पीठ प्रबंधन का उद्देश्य परिसर में बढ़ती पंडागिरी एवं दलाली पर प्रभावी रोक लगाना है। बीते समय में दर्शन के नाम पर श्रद्धालुओं से अवैध वसूली की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। लाल-पीले वस्त्र धारण कर कई अनाधिकृत लोग साधना का दिखावा कर श्रद्धालुओं को भ्रमित कर रहे थे।

कूनो के जंगल में नया आशियाना ढूंढ़ रहे रणथम्भौर से आए टाइगर

- **कूनो के टिकटोली रेंज में नजर आया टाइगर, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल**

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिला मुख्यालय के समीप स्थित राजस्थान के सवाई-माधोपुर के रणथम्भौर अभयारण्य में बढ़ते बाघ (टाइगर) अब अपनी नई टेरिटरी (नया आशियाना) की तलाश में हैं। यही वजह है कि विगत दो माह के भीतर दूसरी बार कूनो के जंगल में बाघ की गतिविधियां देखी गई है। इससे पहले भी कई बार रणथम्भौर के बाघों को कूनो के जंगल में अपना आशियाना तलाशते देखा गया है।

जानकारी के अनुसार कूनो राष्ट्रीय उद्यान के टिकटोली रेंज में एक टाइगर (बाघ) नजर आया है।

जिसे फ्लायिंग केट सफारी द्वारा कैमरे में कैद किया गया है। यह टाइगर रणथम्भौर अभयारण्य से कूनो पहुंचा है। जिसे जंगल क्षेत्र में भ्रमण करते देखा गया है। जानकारी के अनुसार यह टाइगर टिकटोली क्षेत्र के जंगल में गुरुवार को दोपहर में देखा गया। जिसे सफारी के स्टाफ द्वारा कैमरे में कैद करते हुए इसकी वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल की गई है। हालांकि कूनो राष्ट्रीय उद्यान के अधिकारी इस बात की पुष्टि नहीं कर रहे हैं लेकिन दावा किया जा रहा है कि यह बाघ रणथम्भौर के जंगल से कूनो पहुंचा है।

चीतों के लिए खतरा बन सकता है टाइगर

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चल रहे चीता प्रोजेक्ट के लिए टाइगर की एंट्री चिंता भरी हो सकती है। ऐसा इसलिए कि यदि चीता और बाघ का सामना होता है तो यह चीतों के लिए खतरे का कारण बन सकता है। हालांकि सूचना मिलते ही कूनो राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन ने टाइगर की निगरानी बढ़ा दी है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

वन विभाग से जुड़ी जानकारी के अनुसार राजस्थान के रणथम्भौर से मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान तक नेचुरल टाइगर कॉरिडोर है। रणथम्भौर से निकलकर चंबल के किनारे होते हुए बीहड़ों के सहारे अधिकतर बाघ-बाघिन कूनो तक पहुंच जाते हैं। रणथम्भौर से कूनों की दूरी करीब 100 किलोमीटर है।

इनका कहना है

सूचना तो मिली है। चूंकि मैंने अभी वीडियो देखा है लेकिन यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सकता कि यह वीडियो कूनो का है क्योंकि रणथम्भौर का जंगल भी कूनो जैसा ही है। हम पता करवा रहे हैं।

-**आर थिरूकुराल,** वन मंडल अधिकारी, कूनो राष्ट्रीय उद्यान

ग्रामीण की हृदयघात से हुई मौत, फिर भी लगाया जाम

नगर संवाददाता, शिवपुरी

ग्रामीण की ग्वालियर में हृदयघात से मौत हो गई। इस पर मृतक के पुत्र सहित अन्य परिजनों ने छैरा में एमएस रोड पर जाम लगा दिया। जिससे सैकड़ों लोग वहां जाम में फंस गए। सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। बताया गया है कि परिवार में जमीन को लेकर विवाद चल रहा था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बिशगपुर निवासी भरोसी किरार की पांच फरवरी को ग्वालियर में हृदयाघात से मृत्यु हो गई। भरोसी के परिवार में पहले से जमीन का कोई विवाद चल रहा था। मृतक के परिजन जिससे विवाद चल रहा था उनके विरुद्ध थाने में प्राथमिकी दर्ज करना चाह रहे थे। भरोसी की मौत के बाद उनके पुत्र राधामोहन व राजकुमार किरार बागचीनी थाने न पहुंचते हुए छैरा गांव पहुंचे और मृतक भरोसी का शव सड़क पर रखकर रात लगभग आठ बजे जाम लगा दिया। जिससे सड़क पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सैकड़ों वाहन जाम में फंस गए। इसकी सूचना मिलते ही बागचीनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। देर रात समाचार लिखे जाने तक जाम लगा हुआ था।

ग्राम पंचायत कोंथरकला में भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा

वारंट व रिकवरी आदेश निकलने के बाद सरपंच ने छोड़ा गांव

सचिव के खिलाफ लाखों के गबन की शिकायत

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जनपद पंचायत पोरसा की ग्राम पंचायत कोंथरकला में सरपंच और पंचायत सचिव पर शासकीय राशि के दुरुपयोग के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों की ओर से जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को विस्तृत आवेदन देते हुए निष्पक्ष जांच और प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की गई है।

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत कोंथरकला के सरपंच हरदेव वाल्मीकि ने अपने कार्यकाल के दौरान स्वीकृत एकीकृत निर्माण कार्य पूर्ण नहीं कराए हैं। इस लापरवाही के चलते जिला पंचायत स्तर से उनके विरुद्ध रिकवरी आदेश एवं वारंट जारी किया गया है। आरोप है कि वारंट जारी होने के बाद सरपंच गांव छोड़कर बाहर चला गया है। जिससे पंचायत की नियमित बैठकें प्रभावित हुईं और 26 जनवरी ो प्रस्तावित ग्राम सभा भी आयोजित नहीं हो सकी। सरपंच की अनुपस्थिति के कारण ग्राम पंचायत के विकास कार्य पूरी तरह ठप बताए जा रहे हैं।

सरपंच-सचिव की शिकायत करता ग्रामीण।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि सरपंच द्वारा अपने पूरे कार्यकाल में कोई भी स्वीकृत कार्य पूर्ण नहीं कराया गया है। इस संबंध में 8 अक्टूबर 2025 को जिला पंचायत में शिकायत दर्ज कराई गई थी लेकिन अब तक कोई जांच या कार्रवाई नहीं हो सकी है। वहीं पंचायत सचिव गोविंद शर्मा पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार सचिव द्वारा 10 सितंबर 2025 को श्मशान घाट के बाउंड्रीवाल निर्माण के नाम पर 2 लाख 11 हजार 825 की राशि आहरित कर कथित रूप से गबन कर ली गई। इसके अलावा मृत व्यक्तियों एवं नाबालिगों के नाम से फर्जी भुगतान निकालने के आरोप भी लगाए गए हैं। जिनकी जांच अभी लंबित बताई जा रही है।

हैण्डपंप खनन व टीनशेड निर्माण के नाम पर की गई अवैध वसूली

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि पंचायत क्षेत्र में बिना सार्वजनिक रास्ते एवं बिना आबादी वाले क्षेत्र में सीसी रोड का निर्माण कराया गया है जो सीधे तौर पर कृषि भूमि पर किया गया है। साथ ही हैण्डपंप खनन एवं टीनशेड निर्माण के नाम पर अवैध वसूली किए जाने के भी आरोप सामने आए हैं। गांव के गिर्राज सिंह तोमर का कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई नहीं होने से सरपंच-सचिव के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने जिला पंचायत से मांग की है कि सरपंच हरदेव वाल्मीकि एवं पंचायत सचिव गोविंद शर्मा के खिलाफ निष्पक्ष जांच कराकर कार्रवाई की जाए।

सुविचार

कष्ट ही तो वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य को कसौटी पर परखती है और आगे बढ़ाती है।

संपादकीय

स्क्रीन का भविष्य और खोता बचपन

जब दुनिया के जिम्मेदार राष्ट्र यह तय करने में जुटे हैं कि बच्चों को मोबाइल और सोशल मीडिया की लत से कैसे बचाया जाए, तब भारत की नीतिगत दिशा सवालों के घेरे में दिखती है। कहीं सोशल मीडिया के लिए न्यूनतम आयु तय की जा रही है, कहीं स्कूलों में स्क्रीन-टाइम सीमित किया जा रहा है और कहीं एल्गोरिद्म को बच्चों से दूर रखने के लिए कानून बनाए जा रहे हैं। ठीक उसी समय हमारे यहां बजट और नीतिगत मंचों से रिल्स, शॉर्ट वीडियो और कंटेंट क्रिएशन को भविष्य का सपना बताकर प्रस्तुत किया जा रहा है। डिजिटल तकनीक से परहेज समाधान नहीं है, लेकिन विवेकहीन प्रोत्साहन भी उतना ही खतरनाक है। विडंबना यह नहीं कि डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जा रहा है, बल्कि यह है कि जिस उम्र में बच्चों को किताब, खेल का मैदान, सवाल पूछने की आदत और सामाजिक संवाद सिखाया जाना चाहिए, उसी उम्र में उन्हें कैमरे, ट्रेंड और व्यूज़ की दौड़ में धकेलने की तैयारी दिखाई दे रही है। दुनिया बच्चों को स्क्रीन से छुड़ाने के उपाय खोज रही है और हम उन्हें यह संदेश दे रहे हैं—पढ़ो मत, रील बनाओ। समझो मत, वायरल हो जाओ। यह सोच शिक्षा की मूल भावना के विपरीत है। यह बच्चों को नागरिक नहीं, उपभोक्ता और प्रदर्शन की वस्तु के रूप में देखने का नजरिया है।

यह पहली बार नहीं है जब नीति और विवेक के बीच की दूरी उजागर हुई हो। बजट में कंटेंट क्रिएशन को अवसर के रूप में पेश किया गया, लेकिन किसी ने यह नहीं पूछा कि कंटेंट किस उम्र में, किस मानसिक अवस्था में और किस सामाजिक जिम्मेदारी के साथ? जब बच्चों की ध्यान-क्षमता लगातार घट रही हो, जब मानसिक स्वास्थ्य पर स्क्रीन का दबाव बढ़ रहा हो और जब भाषा इमोजी और शॉर्टकट में सिमटती जा रही हो, तब राज्य का दायित्व चेतावनी देना होता है, आकर्षक सपने बेचना नहीं। आज स्थिति यह है कि बच्चा डॉक्टर, वैज्ञानिक या शिक्षक बनने से पहले यह पूछता है कि उसके कितने फॉलोअर्स होंगे। और इस बदलाव को हम गर्व से 'नया भारत' कहकर प्रस्तुत कर देते हैं, बिना यह सोचे कि इस नई परिभाषा में ज्ञान, धैर्य और श्रम के लिए जगह बची भी है या नहीं।

बजट में रोजगार सृजन की ठोस बहस नहीं, शिक्षा की गुणवत्ता सुधार पर पर्याप्त निवेश नहीं, लेकिन रिल्स और डिजिटल चमक के लिए सार्वजनिक संसाधनों की कोई कमी नहीं। यह केवल नीति की विफलता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति गंभीर गैर-जिम्मेदारी है।

नीति-निर्माताओं को यह समझना होगा कि वायरल होना राष्ट्र निर्माण नहीं होता। हर कैमरे के सामने खड़ा बच्चा भविष्य की उपलब्धि नहीं होता—कई बार वह एक ऐसा बचपन होता है, जो चुपचाप खो रहा होता है।

अब सवाल साफ है—

क्या हमें सोचने-समझने वाले नागरिक चाहिए,

या सिर्फ स्क्रोल करते हुए कंटेंट बनाने वाली भीड़? यही फैसला भविष्य तय करेगा।

विधानसभा चुनाव में होगी टीएमसी की अग्निपरीक्षा

डॉ ओ.पी.त्रिपाठी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि जब सत्ता खतरे में दिखती है, तब वे संवैधानिक मर्यादाओं को भी ताक पर रखने से नहीं हिचकतीं। एसआईआर जैसे प्रशासनिक और चुनावी सुधार को अनावश्यक रूप से एनआरसी से जोड़कर उन्होंने इस मुद्दे को दिल्ली तक खींच लिया। जबकि कोर्ट भी एसआईआर की प्रक्रिया को उचित ठहरा चुका है, फिर भी ममता बनर्जी अपनी जिद पर अड़ी हुई हैं। सवाल साफ है कि जब न्यायपालिका ने स्थिति स्पष्ट कर दी, तो फिर यह सियासी हंगामा क्यों? ममता बनर्जी को समझना होगा कि लोकतंत्र में संस्थाएं किसी व्यक्ति से बड़ी होती हैं। एसआईआर जैसी प्रक्रिया पारदर्शिता के लिए है, न कि किसी समुदाय को निशाना बनाने के लिए। एनआरसी का डर दिखाकर राजनीति करना अब पुराना हथकंडा हो चुका है। अब सवाल यह नहीं कि एसआईआर से तुष्टिकरण की नीति के चलते तृणमूल कांग्रेस को नुकसान होगा या नहीं। सवाल यह है कि क्या ममता बनर्जी लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करेंगी, या फिर हार के डर में उन्हें लगातार कमजोर करती रहेंगी। इतिहास गवाह है कि जो नेता संविधान से टकराते हैं, अंततः जनता की अदालत में उन्हें हार का सामना करना पड़ता है। इसकी सबसे बड़ी उदाहरण आपातकाल लगाने वाली इंदिरा गांधी हैं। बंगाल की जनता सच देख रही है और यही सच आने वाले चुनावों में टीएमसी की असली परीक्षा लेगा।

> ममता बनर्जी की सबसे बड़ी समस्या यही रही है कि वे हर संवैधानिक प्रक्रिया को राजनीतिक नजरिए से देखती हैं। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना है, ताकि घुसपैठ, फर्जी वोटिंग और डुप्लीकेट नामों पर रोक लग सके। लेकिन ममता बनर्जी ने इसे एनआरसी का भय दिखाकर अल्पसंख्यक समुदाय को डराने का हथियार बना लिया। यह कोई नई रणनीति नहीं है कि डर पैदा करो, भावनाएं भड़काओ और फिर उसी आग पर राजनीतिक रोटियां सेंको। एसआईआर को एनआरसी से जोड़ना पूरी तरह भ्रामक और राजनीतिक चाल है। केंद्र सरकार बार-बार स्पष्ट कर चुकी है कि एसआईआर का एनआरसी से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बावजूद ममता बनर्जी लगातार एनआरसी का डर दिखा रही हैं। दरअसल, उन्हें पता है कि बंगाल में अवैध घुसपैठ और संदिग्ध वोटरों का बड़ा नेटवर्क वर्षों से टीएमसी की राजनीतिक रीढ़ बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट में 4 फरवरी को पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सुनवाई हुई। इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद वकीलों के बीच मौजूद थी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने की। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें पश्चिम बंगाल के अपने दो साथी न्यायाधीशों से जानकारी मिली, जिन्होंने पास प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया समझाई और इसी समझ के आधार पर इस मुद्दे को शामिल किया गया। मामले में सीएम ममता बनर्जी का पक्ष रखने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने बताया कि न्यायालय ने पहले तार्किक विसंगतियों की सूची प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था।

उन्होंने कहा कि 32 लाख मतदाता सूचीबद्ध नहीं हैं, 1.36 करोड़ नाम तार्किक विसंगति सूची में हैं। मुख्य न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि न्यायालय को सूचित किया गया था कि सूची संचार का एकमात्र माध्यम नहीं है और संबंधित व्यक्तियों को व्यक्तिगत नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को 'व्हाट्सएप आयोग' कहा और कहा कि चुनाव आयोग व्हाट्सएप के माध्यम से अनौपचारिक आदेश जारी कर रहा था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस दौरान कहा कि चार राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, 24 साल बाद, तीन महीने में यह सब करने की क्या जल्दी थी? जब फसल कटाई का मौसम चल रहा है3जब लोग यात्रा कर रहे हैं3100 से अधिक लोग मारे गए! बीएलओ की मौत हो गई, कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। एसआईआर असम क्यों नहीं किया जा रहा है? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आगे कहा कि 58 लाख नाम काट दिए गए, उनके पास अपील करने का विकल्प नहीं था। केवल बंगाल को निशाना बनाया जा रहा है दृ पश्चिम बंगाल के लोगों को कुचलने के लिए। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि शायद अधिकारियों की उपलब्धता के बाद सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की आवश्यकता नहीं होगी। इस पर चुनाव आयोग से मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अपने अधिकारियों को भी बताएं कि वे संवेदनशील रहें और नोटिस जारी न करें।

दरअसल, ममता बनर्जी की सबसे बड़ी समस्या यही रही है कि वे हर संवैधानिक प्रक्रिया को राजनीतिक नजरिए से देखती हैं। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाना है, ताकि घुसपैठ, फर्जी वोटिंग और डुप्लीकेट नामों पर रोक लग सके। लेकिन ममता बनर्जी ने इसे एनआरसी का भय दिखाकर अल्पसंख्यक समुदाय को डराने का हथियार बना लिया। यह कोई नई रणनीति नहीं है कि डर पैदा करो, भावनाएं भड़काओ और फिर उसी आग पर राजनीतिक रोटियां सेंको। एसआईआर को एनआरसी से जोड़ना पूरी तरह भ्रामक और राजनीतिक चाल है। केंद्र सरकार बार-बार स्पष्ट कर चुकी है कि एसआईआर का एनआरसी से कोई लेना-देना नहीं है। इसके बावजूद ममता बनर्जी लगातार एनआरसी का डर दिखा रही हैं। दरअसल, उन्हें पता है कि बंगाल में अवैध घुसपैठ और संदिग्ध वोटरों का बड़ा नेटवर्क वर्षों से टीएमसी की राजनीतिक रीढ़ बना हुआ है। अगर मतदाता सूची शुद्ध हो गई, तो यह नेटवर्क ढह सकता हैकृऔर यही डर उन्हें बेचैन कर रहा है।

ममता बनर्जी सवाल उठाती हैं कि लोगों को नागरिकता साबित क्यों करनी पड़े? लेकिन वे यह नहीं बतातीं कि राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ किसके संरक्षण में फल-फूल रही है।

सेहत नीम एक शक्तिशाली जड़ी-बूटी है

नीम एक शक्तिशाली औषधीय जड़ी-बूटी है जो अपने जीवाणुरोधी, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुणों के कारण स्वास्थ्य के लिए वरदान है। यह खून को साफ करता है, इम्यूनिटी बढ़ाता है, त्वचा रोगों (मुंहासे, एक्जिमा) में सुधार करता है, पाचन क्रिया को ठीक रखता है और मधुमेह रोगियों में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक है।

नीम के प्रमुख स्वास्थ्य फायदे

त्वचा के लिए रामबाण- नीम में सूजनरोधी गुण होते हैं, जो मुंहासों को कम करते हैं और एक्जिमा जैसे संक्रमणों से त्वचा की रक्षा करते हैं।

खून और पेट को साफ करें-खाली पेट नीम की पत्तियां चबाने से खून डिटॉक्सिफाई होता है और पेट से कीड़े (आंतों के कीड़े) खत्म होते हैं।

मधुमेह में मददगार- नीम का रस या पत्तियां इंसुलिन संवेदनशीलता को बढ़ाकर रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक हो सकती हैं। मुंह और दांतों का स्वास्थ्य- नीम की दातुन मसूड़ों की सूजन कम करती है, मुंह की दुर्गंध दूर करती है और दातों को कीटाणुओं से बचाती है।

बालों के लिए - नीम का तेल रूसी और सिर की त्वचा के संक्रमणों को ठीक कर बालों को मजबूती देता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता- नीम में मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण शरीर की इम्युनिटी बढ़ाकर इन्फेक्शन से बचाते हैं।

इस्तेमाल के तरीके- सुबह खाली पेट 2-3 ताजी पत्तियां चबाएं, नीम का काढ़ा पिएं, या पेस्ट बनाकर त्वचा/बालों पर लगाएं। अत्यधिक सेवन से बचें, विशेषकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए।

नीम-तुलसी का बाप है ब्राह्मी

ब्राह्मी दिमाग का पनेचुरल टॉनिक है जो याददाश्त बढ़ाने, फोकस सुधारने और सोचने की क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करता है, साथ ही तनाव कम करता है। यह नर्वस सिस्टम को शांत रखकर मूड और नींद बेहतर बनाती है। आयुर्वेद में अनगिनत जड़ी बूटियों का जिक्र किया गया है और उनके स्वास्थ्य लाभ बताए गए हैं। जब भी आयुर्वेद की सबसे शक्तिशाली औषधीय जड़ी बूटी का जिक्र होता है, तो अधिकतर लोगों को सिर्फ तुलसी या नीम के बारे में पता है। क्या आप जानते हैं कि तुलसी और नीम से भी पावरफुल एक जड़ी बूटी और है जिसे ब्राह्मी के नाम से जाना जाता है। न्यूट्रिशनिस्ट रजमनी पटेल के अनुसार, आयुर्वेद में ब्राह्मी को एक ऐसी जड़ी-बूटी माना जाता है, जो दिमाग को तेज, शरीर को हल्का और मन को शांत बनाने में मदद करती है। यह एक औषधीय पत्ती है, जो याददाश्त बढ़ाने, तनाव कम करने, हार्मोन बैलेंस करने की या लिवर को डिटॉक्स करने में काम आती है। न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया है कि ब्राह्मी को रोजाना सही तरीके और सही मात्रा में लेने से आपको कई स्वास्थ्य समस्याओं से राहत मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि ब्राह्मी के क्या फायदे हैं और आपका इसका कैसे इस्तेमाल करना चाहिए।

एक ऐतिहासिक सफलता या राजनीतिक संकेत

अशोक भाटिया

भारत और अमेरिका के बीच हाल ही में घोषित व्यापार समझौता (फरवरी 2026) पारदर्शिता की कमी, रूसी तेल आयात पर मौन और वाशिंगटन द्वारा बड़े दावों के कारण रहस्यमय और संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। हालाँकि अमेरिकी टैरिफ में 18 प्रतिशत तक की कटौती हुई है, लेकिन पूर्ण दस्तावेज न होने से भारतीय कृषि और रणनीतिक स्वायत्तता पर इसके प्रभाव को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं जैसे पारदर्शिता का अभाव - भारत सरकार ने समझौते के विशिष्ट विवरण, लिखित शर्तों या आधिकारिक पाठ को पूरी तरह से सार्वजनिक नहीं किया है, जिससे यह संदेह गहरा गया है। रूसी तेल और भू-राजनीतिक दबाव - राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया कि भारत ने रूसी तेल आयात बंद करने का वादा किया है, लेकिन भारत की ओर से इस पर कोई पुष्टि नहीं की गई है, जो एक बड़ा रहस्य बना हुआ है।कृषि और डेयरी क्षेत्र पर खतराः विपक्षी दलों ने चिंता जताई है कि भारत ने अपने कृषि और डेयरी बाजारों को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोल दिया है, जो भारतीय किसानों के हितों के खिलाफ हो सकता है। दावों में अंतर- अमेरिका ने दावा किया कि भारत 500 बिलियन से अधिक के अमेरिकी सामान खरीदेगा, जबकि भारत ने केवल टैरिफ में कमी (18त्न तक) पर ही ध्यान केंद्रित किया, न कि बड़ी खरीदारी के दावों पर।संप्रभुता का सवालः इस बात पर बहस है कि क्या यह समझौता भारत की स्वतंत्र विदेश और व्यापार नीति के अनुरूप है, या यह अमेरिकी दबाव में लिया गया कोई निर्णय है। इस प्रकार, इस समझौते को एक ऐतिहासिक सफलता के बजाय राजनीतिक संकेत या विश्वास बहाली का उपाय अधिक माना जा रहा है तथा भारत और अमेरिका के बीच तथाकथित व्यापार समझौता बेहद रहस्यमय मामला नजर आ रहा है।

देखा जाय तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस समझौते की एकतरफा घोषणा का स्वागत किया क्योंकि किसी भी कारण से किसी भी तरह के व्यापार और उद्योग का विरोध करना अवैध है, लेकिन अगर समझौते की घोषणा के 24 घंटे बाद भी किसी भी विवरण के बारे में कोई जानकारी नहीं है, तो संदेह होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच तथाकथित समझौता, जिसमें कोई विवरण, कोई क्लॉज, कोई रिकॉर्ड नहीं है, एक रहस्य है जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी समझौते के लिए कम से कम दो पक्षों और सभी संबंधित लोगों की सहमति की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि भारत को साथ नहीं लिया गया, लेकिन उन्होंने पारस्परिक रूप से घोषणा की कि भारत को साथ लेकर बिना किसी समझौते के दोनों देशों के बीच समझौता हुआ है और अब समय आ गया है कि हम इसे एमयू कहें। उन्होंने कनाडा के साथ भी ऐसा ही करने की कोशिश की। हालांकि, देश के प्रधान मंत्री, मार्क कार्नी ने ट्रम्प को मना लिया, और कनाडा-अमेरिका सौदा गुब्बारा गया। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ट्रम्प की घोषणा पर टिप्पणी की और आश्वासन दिया कि तथाकथित समझौते से भारतीय कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के हितों को किसी भी तरह से नुकसान नहीं होगा।

हालांकि, उसके बाद, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच व्यापार के आकार की वर्तमान वास्तविकता के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में इस पर टिप्पणी के लिए लगातार दूसरे दिन टिप्पणी की आवश्यकता थी। सबसे पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में क्या हुआ। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कथित सौदे के विवरण पर चर्चा करने के लिए मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। ये ट्रम्प की घोषणा की रिपीट है, जिसका मतलब है कि ट्रम्प ने जो घोषणा की है, उसे अमेरिकी सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया है और उसी के अनुसार आगे भी कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। लेकिन ये कुछ बहुत महत्वपूर्ण सवाल उठाता है। पहला मुद्दा भारत की तेल खरीद का है, हम रूस से तेल खरीदना बंद करने जा रहे हैं क्योंकि अमेरिका ऐसा नहीं चाहता है। ट्रम्प और लेविट यही कहते हैं। लेकिन तेल खरीदना पानी का नल नहीं है। जब आप इसे चालू करेंगे, तो पानी आएगा और जब आप इसे बंद करेंगे, तो यह बंद हो जाएगा।

ये खरीद समझौते, जो हफ्तों और महीनों पहले किए जाते हैं, क्या उन्हें अचानक रद्द किया जा सकता है क्योंकि ट्रम्प ऐसा कहते हैं? उत्तर सकारात्मक हो सकता है, लेकिन इस तरह के समझौतों में अक्सर मुआवजे का मुद्दा शामिल होता है, जो खरीद को एकतरफा रद्द करने और दूसरे पक्ष को नुकसान को रोकने के लिए है। यदि भारत और रूस के बीच तेल सौदा समाप्त हो जाता है तो भुगतान किए जाने वाले मुआवजे के बारे में क्या?

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि वेनेजुएला के तेल और रूसी तेल के बीच एक मूलभूत अंतर है: रूसी तेल हल्का और परिष्कृत करने में आसान है, और वेनेजुएला का तेल इसके ठीक विपरीत है, और यह सल्फर और अन्य प्रदूषकों के साथ भी अधिक प्रदूषणकारी है। और क्या उन्हें इसे सबसे पहले करना चाहिए? क्योंकि आप रूसी तेल को मौजूदा बाजार मूल्य की तुलना में 10 डॉलर प्रति बैरल सस्ता करते हैं, क्या आप इस लाभ को छोड़ देंगे क्योंकि ट्रम्प ऐसा सोचते हैं?

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1890: महान स्वतंत्रता सेनानी भारत रत्न खान अब्दुल गफ्फार खान का जन्म.

1911: अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का जन्म. रोनाल्ड विल्सन रीगन अपने शानदार व्यक्तित्व और अंदाज के कारण दुनिया भर में खासे लोकप्रिय रहे. वह इस पद पर पहुंचने वाले एकमात्र फिल्म अभिनेता थे.

1931: मोतीलाल नेहरू का निधन.

1952: एलिजाबेथ द्वितीय ने ग्रेट ब्रिटेन की राजगद्दी संभाली. उन्होंने वर्ष 2002 में ब्रिटेन के राज सिंहासन पर अपने 50 वर्ष पूरे करने का जश्न मनाया था.

1958: म्यूनिख में एक विमान दुर्घटना में 21 लोग मारे गए. इनमें मैनचेस्टर युनाइटेड फुटबाल क्लब के सात खिलाड़ी भी थे.

1959: अन्ना चांडी केरल उच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश नियुक्त हुईं.

1971: अपोलो 14 के जरिए चांद पर पहुंचे एलन शेपर्ड ने दो दिन तक चांद पर चहलकदमी के दौरान एक गोल्फ़ क्लब से गोल्फ बॉल को हिट किया और चांद पर गोल्फ़ खेलने वाले पहले व्यक्ति बन गए.

1993: अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी आर्थर ऐश का एड्स से जुड़े निमोनिया से निधन. वह ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पहले अश्वेत खिलाड़ी थे.

2002: भारत ने सीमा में घुस आए पाकिस्तान के जासूसी विमान को मार गिराया.

2008: भारत सरकार ने असम के माजुली द्वीप को वर्ष 2008 की विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिए सांस्कृतिक भू-स्थल के वर्ग में मनोनीत किया.

2024: भारत ने कतर से 20 साल के लिए तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात को लेकर अबतक का सबसे बड़ा 78 अरब डॉलर का समझौता किया.

2024: केंद्र सरकार ने 29 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर 'भारत चावल' पेश किया.

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए कुछ अधिक भागदौड़ भरा रह सकता है। आप अपने मुख्य कामों के साथ-साथ इधर-उधर के कार्यों में भी उलझे रहेंगे। ऐसे में जरूरी है कि, आप अपने समय और ऊर्जा का सही प्रबंधन करें। किसी सरकारी काम को लेकर आज बिल्कुल भी ढील न बरतें, नहीं तो आगे चलकर परेशानी बढ़ सकती है।

वृष राशि: आज आपके चारों ओर का माहौल सकारात्मक और खुशनुमा बना रहेगा। लगातार कोई न कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। ध्यान रखें कि बेवजह किसी विवाद या झगड़े में न उलझें, अन्यथा मामला कानूनी स्तर तक भी पहुंच सकता है। परिवार में यदि कुछ समय से खटपट चल रही थी, तो आज वह दूर होती दिखेगी और आपसी एकजुटता फिर से मजबूत होगी।

मिथुन राशि : आज का दिन नए घर, मकान या संपत्ति की खरीदारी के लिए बेहद शुभ संकेत दे रहा है। आपकी मेहनत और लगन आपको एक अच्छे मुकाम तक पहुंचाने में सफल होगी। किसी काम को लेकर आप लंबे समय से परेशान चल रहे थे, तो आज उसके पूरे होने की प्रबल संभावना है।

कर्क राशि: आज का दिन विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से अनुकूल है। पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटने से अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। आपको अपने मन में किसी के प्रति ईर्ष्या या द्वेष की भावना नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि यह आपकी मानसिक शांति को भंग कर सकती है। कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके मिलने की भी पूरी संभावना है।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए कुछ खास कर दिखाने का है। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी की बात आपको थोड़ी बुरी लग सकती है, लेकिन आप पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ अपने काम में लगे रहेंगे। जीवनसाथी को नौकरी में प्रमोशन या कोई अच्छी उपलब्धि मिलने से घर का माहौल खुशहाल रहेगा।

कन्या राशि:आज का दिन सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर नाम और सम्मान कमाने का है। वाहन चलाते समय थोड़ी सावधानी बरतें और किसी को बिना मांगे सलाह देने से बचें, नहीं तो गलतफहमी पैदा हो सकती है। भाई-बहनों के साथ आपका तालमेल अच्छा रहेगा और आपसी रिश्ते और मजबूत होंगे। परिवार में किसी शुभ या मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी शुरू हो सकती है।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको अपने कामों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने से बचना होगा। व्यवसाय पहले की तुलना में बेहतर चलेगा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। किसी पुराने निर्णय को लेकर मन में पछतावा हो सकता है, लेकिन उससे सीख लेकर आगे बढ़ना ही समझदारी होगी।

वृश्चिक राशि: आज का दिन भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। व्यवसाय में किसी बड़ी डील को लेकर आपको पार्टनरशिप करनी पड़ सकती है, जो आगे चलकर लाभदायक सिद्ध होगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आसपास के लोगों से थोड़ा सतर्क रहना जरूरी होगा। जीवनसाथी की ओर से कोई सुंदर सा उपहार मिल सकता है, जिससे मन खुश हो जाएगा। ईश्वर की भक्ति में आपका मन लगेगा और जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें भाग्य आपका पूरा साथ देगा। किसी को धन उधार दिया था, वापस मिलने की संभावना है।

मकर राशि: आज का दिन कुछ नया करने की प्रेरणा लेकर आएगा। अपने कामों को लेकर आप सख्ती दिखाएंगे, जिससे वे समय पर पूरे होंगे। परिवार में किसी नए मेहमान के आगमन से खुशियों का माहौल बनेगा। बॉस की बातों को नजरअंदाज करने से बचें, नहीं तो नुकसान हो सकता है। पैतृक संपत्ति को लेकर बंटवारे की स्थिति बन सकती है।

कुंभ राशि: आज का दिन मौज-मस्ती और आनंद से भरा रहेगा। किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी, लेकिन बातचीत के दौरान अपनी वाणी पर संयम रखें। पारिवारिक मामलों को लेकर वरिष्ठ सदस्यों से चर्चा करनी होगी, तभी वे समय पर सुलझते नजर आएंगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम आज पूरा हो सकता है।

मीन राशि: आज का दिन आपको अपने जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देने की सलाह दे रहा है, क्योंकि मन बार-बार इधर-उधर भटक सकता है। यदि आप किसी प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त की योजना बना रहे थे, समय अनुकूल है।

ज्ञानवाणी

स्त्री का त्रिया चरित्र

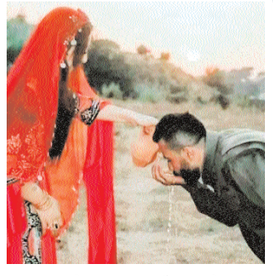

एक प्यासा आदमी एक कुएं के पास गया, जहां एक जवान औरत पानी भर रही थी उस आदमी ने औरत से थोड़ा पानी पिलाने के लिए कहा खुशी से उस औरत ने उसे पानी पिलाया। पानी पीने के बाद उस आदमी ने औरत से पूछा कि आप मुझे औरतों की त्रिया चरित्र के बारे में कुछ बता सकती है इतना कहने पर वह औरत जोर जोर से चिल्लाने लगी बचाओ... बचाओ...

उसकी आवाज सुनकर गांव के लोग कुए की तरह दौड़ने लगे तो उस आदमी ने कहा कि आप ऐसा क्यों कर रही है, तो उस औरत ने कहा ताकि गांव वाले आए और आपको खूब पीटें और इतना पीटे की आपके होश ठिकाने लग जाए। यह बात सुनकर उस आदमी ने कहा मुझे माफ करें, मैं तो आपको एक भली और इज्ज़तदार औरत समझ रहा था। तभी उस औरत ने कुएं के पास रखा मटके का सारा पानी अपने शरीर पर डाल लिया और अपने शरीर को पूरी तरह भींगा डाला। इतने देर में गांव वाले भी कुएं के पास पहुंच गए। गांव वालों ने उस औरत से पूछा कि क्या हुआ ? औरत ने कहा मैं कुएं में गिर गई थी इस भले आदमी ने मुझको बचा लिया। यदि यह आदमी यहां नही रहता तो आज मेरी जान चली जाती। गांव वालों ने उस आदमी की बहुत तारीफ की और उसको कंधों पर उठा लिया। उसका खूब आदर सत्कार किया और उसको इनाम भी दिया। जब गांव वाले चले गए तो औरत ने उस आदमी से कहा कि अब समझ में आया औरतों का त्रिया चरित्र अगर आप औरत को दुःख देंगे और उसे परेशान करेंगे तो वह आपका सब सुख- चैन छीन लेगी और अगर आप उसे खुश रखेंगे तो वह आपको मौत के मुंह से भी निकाल लेगी।

संक्षिप्त समाचार

फांसी लगाकर वृद्ध ने दी जान

सागर (नि.प्र.) मोतीनगर थाना क्षेत्र में आने वाले तुलसीनगर वार्ड निवासी एक वृद्ध ने बुधवार को सुभाषनगर वार्ड स्थित दुग्गल सरदार के टाल पर लगे एक पेड़ पर फंदा बनाकर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस ने शव की पंचनामा कार्रवाई कर शव का गुरुवार को पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक द्वारा फांसी लगाने से पहले एक नोट लिखकर छोड़ा गया है जिसकी जांच चल रही है। फिलहाल पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस ने बताया बुधवार को तुलसी नगर वार्ड निवासी राजू पिता हरचंडी बंसल 65 वर्ष ने सुभाषनगर वार्ड स्थित दुग्गल सरदार के टाल पर लगे एक पेड़ पर फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी लगते ही थाना पुलिस उक्त स्थान पर पहुंची और जांच शुरू की। इसी दौरान पुलिस को मृतक द्वारा लिखा एक सुसाइड नोट भी प्राप्त हुआ। सूत्रों की माने तो उक्त सुसाइड नोट में कुछ लोगों के नाम लिखे हुए हैं। जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

मृतक का लड़का भगा ले गया था लड़की

सूत्रों की माने तो कुछ दिन पहले मृतक का लड़का एक लड़की को भगा ले गया है। जिसके बाद लड़की के परिजन आए दिन मृतक के यहां जाकर मृतक के लड़के के बारे में पूछताछ करते हुए विवाद करते थे। शायद इसी के चलते मृतक ने फांसी लगाकर जान दे दी।

नर्सिंग ऑफीसर ने अपनी मांगों को लेकर सिविल सर्जन को सौंपा ज्ञापन

सागर (नि.प्र.) जिला अस्पताल में कार्यरत नर्सिंग आफीसर ने अपनी मांगों को लेकर गुरुवार को सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपा। जिसमें वेतन इन्क्रीमेट और एरियर्स न मिलने की बात कही गई। जिला अस्पताल में पदस्थ नर्सिंग आफीसरें द्वारा गुरुवार को सिविल सर्जन को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने बताया कि स्थापना शाखा में नर्सिंग आफीसर के बहुत से कार्य लंबित है। जिनके लिए पूर्व में 11 दिसम्बर 25 को आपको पत्र के माध्यम से अवगत किया गया था। उस समय आपके द्वारा 5 जनवरी 26 समय सीमा निर्धारित कर कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया एवं 5 जनवरी को मौखिक रूप से अवगत किया गया था कि अभी तक कोई कार्य स्थापना शाखा से नहीं हुआ। जिसमें स्थापना शाखा के बाबू द्वारा 10 जनवरी तक का समय मांगा था। परन्तु आज दिनांक तक बहुत कार्य लंवित हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि अगर संभावित बाबू से कार्य नहीं हो रहा है तो उनका चार्ज किसी इसरे बाबू को दिया जाए ताकि समय पर कार्य पूर्ण हो अन्यथा की स्थिति में सभी नर्सिंग आफीसर वरिष्ठ कार्यालय जाने के लिये बाध्य रहेंगे, क्योंकि समूस्त नर्सिंग आफीसर में काफी रोख व्याप्त हैं। पूर्व में दिए ज्ञापन में भी स्थापना शाखा से नर्सिंग ऑफीसर का हड़ताल अवधि का वेतन एवं 2023 का इन्क्रीमेन्ट नहीं लगाया एवं बहुत से नर्सिंग ऑफीसर का एरियर्स नहीं मिलने की बात कही गई थी। जिसका अभी तक निराकरण नहीं किया गया है।

एफआरव्ही के कर्मचारियों ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास कर रहे युवक की बचाई जान

सागर (नि.प्र.) राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल के माध्यम से जिला पुलिस कंट्रोल रूम सागर को एक अत्यंत गंभीर सूचना प्राप्त हुई। जिसमें बताया गया कि 35 वर्षीय युवक निवासी भगवानगंज द्वारा पारिवारिक कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया गया है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए डायल 112 कंट्रोल रूम सागर द्वारा बिना समय गंवाए एफआरव्ही 09 को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। एफआरव्ही 09 में तैनात पायलट प्रशांत सोनी और प्रधान आरक्षक दिलीप अग्निहोत्री ने असाधारण तत्परता, साहस एवं मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए अत्यल्प समय में मौके पर पहुंचकर युवक की स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तत्काल उपचार के लिए बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जिससे युवक की जान बचाई जा सकी।

सराहनीय कार्य यह दर्शाता है कि नोडल अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर लोकेश कुमार सिन्हा के निर्देशन में डायल 112 प्रभारी आरकेएस चौहान के नेतृत्व में सागर डायल 112 टीम अत्यंत उत्कटता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण समर्पण के साथ निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रही है। टीम की त्वरित रिस्पॉन्स प्रणाली, सटीक निर्णय क्षमता और अनुशासित कार्यशैली के कारण संकट की इस घड़ी में एक परिवार को अपूरणीय क्षति से बचाया जा सका। सागर डायल 112 पुलिस टीम दिन-रात आमजन की सहायता, सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए सतत् रूप से कार्यरत है, जिससे आम नागरिकों का पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक सुदृढ़ हो रहा है।

निरीक्षण किया

सागर (नि.प्र.) मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सागर विवेक के बी द्वारा शासकीय जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) सागर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया, इस दौरान डाइट में संचालित डी.एल.एड. कक्षाओं का अवलोकन किया, कक्षाएं विधिवत संचालित पाई गई, कक्षा में योग विषय के कालखण्ड में छात्राध्यापकों से बात कर उन्हें आदर्श शिक्षक बनने प्रोत्साहित करते हुये कहा कि योग से तन स्वस्थ्य, मन शांत, आत्म विश्वास में बृद्धि, बुद्धि का विकास होता है जिससे हम जीवन की सभी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होते है।

सागर का 'सायको कटरमैन' भोपाल में हुआ था सक्रिय, गिरफ्तार

- भोपाल पुलिस ने गुरुवार को किया गिरफ्तार
- राहतगढ़ निवासी कटरमैन 2014 में कोतवाली थाना क्षेत्र में चार लड़कियों को कर चुका है घायल
- भोपाल में भी की घटनाएं, पुलिस को लड़कियों के लिए जारी करना पड़ी एडवायजरी

(नि.प्र.)

सागर। राजधानी भोपाल की सड़कों पर मासूम लड़कियों के चेहरे और हाथ कटर से लहूलुहान करने वाले 'सीरियल कटर' के आतंक का अंत हो गया है। भोपाल पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए उस सायको किलर को दबोच लिया है, जिसने पिछले कुछ दिनों से शहर की आधी आबादी को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया था। पकड़े गए आरोपी ने न केवल भोपाल के पिपलानी और अयोध्या नगर को दहलाया, बल्कि यह भी कबूला है कि वह 2014 में सागर के कोतवाली और राहतगढ़ थाना क्षेत्रों में भी इसी तरह की सनसनीखेज वारदातें कर चुका है।

सोशल मीडिया पर वायरल खौफ की हकीकत

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक चेतावनी भरा स्क्रीनशॉट तेजी से प्रसारित हो रहा था। इस वायरल संदेश में कल्पना नगर, सोनागिरी, इंद्रपुरी, नरेला शंकर और भवानी धाम क्षेत्र की लड़कियों को अकेले बाहर न निकलने की सख्त हिदायत दी गई थी। संदेश में जिक्र था कि 'शक्ति डोसा कॉर्नर के पास भीड़ के बीच एक लड़की पर चाकू से हमला किया गया है।' शुरुआत में इसे महज अफवाह माना जा रहा था, लेकिन पुलिस की जांच और आरोपी की गिरफ्तारी ने पुष्टि कर दी कि यह खौफ वास्तविक था। आरोपी भीड़भाड़ वाले इलाकों में छिपकर वार करता था और पलक झपकते ही गायब हो जाता था।

चोरी की बाइक से रचा 'खूनी खेल'

पुलिस तफ्तीश में एक चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ कि आरोपी ने इन वारदातों को अंजाम देने के लिए करीब 4 महीने पहले करोंद सब्जी मंडी से एक 'पैशन एक्स प्रो' मोटरसाइकिल चोरी की थी। वह इसी चोरी की बाइक का इस्तेमाल कर लड़कियों का पीछा करता था। 29 जनवरी 2026 की रात उसने तांडव मचाते हुए महज दो घंटे के भीतर 4 लड़कियों को अपना शिकार बनाया। रात 9:30 बजे सोनागिरी बी-सेक्टर, फिर 10:15 और 10:33 पर सोनागिरी ए-सेक्टर (थाना पिपलानी) और अंत में 11:20 बजे भवानी धाम फेस-1 (थाना अयोध्या नगर) में राह चलती लड़कियों पर कटर से हमला कर वह फरार हो गया।

सागर से भोपाल तक अपराध का लंबा इतिहास

37 वर्षीय यह आरोपी मूलतः राहतगढ़ का रहने वाला है और भोपाल में बेलदारी का काम करता था। इसका आपराधिक रिकॉर्ड रोंगटे खड़े कर देने वाला है। साल 2014 में इसने सागर के कोतवाली थाने के अंतर्गत चार लड़कियों को कटर से निशाना बनाया था (अपराध क्र. 51, 52, 64, 66/14)। इसके अलावा राहतगढ़ में भी इस पर मारपीट के मामले दर्ज हैं। भोपाल में पकड़े जाने के बाद अब इस पर पिपलानी और अयोध्या नगर थानों में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 118(1) और 109 के तहत हत्या के प्रयास और जानलेवा हमले के 4 नए गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं।

150 पुलिसकर्मी और 900 सीसीटीवी कैमरों का जाल

इस सायको किलर को पकड़ना पुलिस के लिए साख का सवाल बन गया था। पुलिस कमिश्नर और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में 40 विशेष टीमें बनाई गईं। लगभग 150 पुलिसकर्मियों ने दिन-रात एक कर शहर के 900 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। 600 से अधिक पुराने बदमाशों और जेल से छूटे अपराधियों की तस्दीक की गई। आरोपी की पहचान सुनिश्चित करने के लिए 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। अंततः तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी महेन्द्र (परिवर्तित नाम) को अयोध्या बायपास के पास जंगल क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

अज्ञात कारणों से व्यापारी ने सल्फास खाकर दी जान

सागर (नि.प्र.) कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले मोतीनगर वार्ड स्थित बाहुबली कालोनी निवासी एक व्यापारी ने गुरुवार को अज्ञात कारणों के चलते सल्फास खा लिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बाहुबली कॉलोनी निवासी बिक्की उर्फ विकास जैन ने गुरुवार को सल्फास खा लिया था। जिसकी इलाज के दौरान भाग्योदय अस्पताल में गुरुवार की रात मौत हो गई।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर होगा स्मृति आयोजन

सागर (नि.प्र.) एकात्म मानववाद की अवधारणा एवं अंत्योदय और राष्ट्रवाद की विचारधारा के प्रणेता पंडित दीन दयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर हिन्दी साहित्य भारती महाकौशल प्रांत की सागर इकाई द्वारा स्मृति कार्यक्रम का आयोजन शैलेन्द्र जैन विधायक सागर के मुख्य आतिथ्य व वरिष्ठ गीतकार डॉ.श्याम मनोहर सिरोठिया की अध्यक्षता में 11 फ़रवरी बुधवार को दोपहर दो बजे से घरौंदा आश्रम तिली में किया जायेगा। कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता सुप्रसिद्ध साहित्यकार सुश्री डॉ.शरद सिंह होंगी. लेखक पी आर मलैया पुस्तक समीक्षक होंगे. इस अवसर पर वरिष्ठ बुंदेली कवि बिहारी सागर की नवीन कृति 'बुंदेली माहुलिया' का विमोचन भी किया जायेगा। आयोजक संस्था हिन्दी साहित्य भारती के अध्यक्ष अम्बिका प्रसाद यादव, सचिव दामोदर प्रजापति और कोषाध्यक्ष आर के तिवारी ने समस्त प्रबुद्ध जनों से उपस्थिति का आग्रह किया है।

भूसा गोदाम शेड का लोकार्पण, गौ एम्बुलेंस का निरीक्षण

सागर (नि.प्र.) विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने प्रेम जी गौ धाम, ग्राम गौसरा (चितौरा) पहुंचकर पंडित अतुल प्रेमजी महाराज के पावन मुखारविंद से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में सहभागिता की। इस अवसर पर उन्होंने महाराज जी का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक जैन द्वारा गो-सेवा को समर्पित एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत गोशाला परिसर में विधायक निधि से लगभग 5 लाख रुपए की लागत से निर्मित भूसा गोदाम शेड का विधिवत लोकार्पण किया गया। साथ ही पूर्व में विधायक निधि से लगभग 10 लाख रुपए की लागत से गोशाला को प्रदान की गई गौ एम्बुलेंस का निरीक्षण भी किया। इसके अतिरिक्त विधायक शैलेंद्र कुमार जैन ने गोशाला में गोवंश की सुविधा एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए विधायक निधि से लगभग 5 लाख रुपए की लागत से एक और शेड निर्माण किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के निर्माण कार्य गोवंश के संरक्षण, उनकी सुव्यवस्थित देखरेख एवं सेवा कार्यों को और अधिक सशक्त बनाएंगे। विधायक जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मानव जीवन को धर्म, भक्ति और सद्मार्ग की प्रेरणा प्रदान करती है, साथ ही समाज में संस्कार, करुणा और सेवा भाव को मजबूत करती है। इस अवसर पर एम.आई.सी. सदस्य अनूप उर्मिल, बसंत चौरसिया, रमेश चौरसिया जी सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गो-सेवा, धर्म और जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया गया।

जैन समुदाय का पत्र-कांडः हाईकोर्ट ने संदेही हिम्मू जैन के खिलाफ दर्ज याचिका खारिज की

बगैर पूर्व मंजूरी के के अभाव में अदालती कार्यवाही शून्य, मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

(नि.प्र.)

सागर। जैन समुदाय के चर्चित पत्रकांड मामले में हाईकोर्ट जबलपुर ने समुदाय के उस धड़े की याचिका खारिज कर दी है। जिसने इस पत्र-कांड के संदेही ललितपुर (यूपी) निवासी हिम्मू जैन के खिलाफ जिला एवं सत्र न्यायालय में दर्ज केस के खारिज होने के आदेश को चुनौती दी थी। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने इस ऐतिहासिक निर्णय में व्यवस्था दी है कि यदि किसी विशेष अपराध के लिए कानूनन 'पूर्व मंजूरी' अनिवार्य है, तो उसके बगैर लिया गया अदालती संज्ञान पूरी तरह अवैध है। न्यायमूर्ति हिमांशु जोशी की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि बाद में मिली मंजूरी किसी भी ऐसी कार्यवाही को पुनर्जीवित नहीं कर सकती जो मूल रूप से अधिकार क्षेत्र के अभाव में शून्य थी। हालाँकि, उच्च न्यायालय ने कहा कि इस फैसले का अर्थ यह नहीं है कि मामले का अंत हो गया है। सक्षम प्राधिकारी, कानून के अनुसार और वैधानिक ढांचे के भीतर भविष्य में नए सिरे से आवश्यक कदम उठाने के लिए स्वतंत्र हैं। इसका अर्थ है कि अब सही कानूनी प्रक्रिया (मंजूरी के साथ संज्ञान) का पालन कर मामला फिर से शुरू किया जा सकता है।

यह पूरे मामले की पृष्ठभूमि

यह कानूनी विवाद सागर जिले के कोतवाली थाने में दर्ज एक प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ था। याचिकाकर्ता संजय जैन ने प्रतिवादी के विरुद्ध धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोप में धारा 295, 500, 501 और 502 IPC के तहत मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने 14 फरवरी 2023 को आरोप पत्र दाखिल किया और ट्रायल कोर्ट ने अगले ही दिन संज्ञान ले लिया। चूंकि धारा 295ए के तहत मुकदमा चलाने के लिए Cr.P.C. की धारा 196 के तहत सरकार की पूर्व मंजूरी अनिवार्य है। इस मामले में, जब संज्ञान लिया गया तब कोई मंजूरी मौजूद नहीं थी; शासन ने यह मंजूरी महीनों बाद, 17 अगस्त 2023 को प्रदान की।

हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता की सभी दलीलें खारिज कीं

न्यायालय ने याचिकाकर्ता की उन सभी दलीलों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि बाद में मिली मंजूरी ने दोष को ठीक कर दिया है। कोर्ट ने मुख्य बिंदु स्पष्ट किए। याचिकाकर्ता का तर्क था कि कम से कम मानहानि (धारा 500-502) के तहत कार्यवाही चलती रहनी चाहिए। कोर्ट ने इसे ठुकराते हुए कहा कि चूंकि पूरा मामला एक ही घटनाक्रम से जुड़ा है और मुख्य आरोप (धारा 295-A) का संज्ञान ही अवैध था, इसलिए पूरी कार्यवाही को ही रद्द करना सही है।कोर्ट ने भजन लाल बनाम हरियाणा राज्य मामले का जिक्र करते हुए कहा कि अंतर्निहित शक्तियों का उपयोग स्पष्ट वैधानिक आदेशों को हराने के लिए नहीं किया जा सकता। मजिस्ट्रेट द्वारा कार्यवाही बंद करने से पहले याचिकाकर्ता को नहीं सुनना कोई त्रुटि नहीं थी, क्योंकि मजिस्ट्रेट केवल सत्र न्यायालय के आदेश का पालन कर रहे थे। उच्च न्यायालय ने निचली अदालत और सत्र न्यायालय के उन आदेशों को बरकरार रखा जिनमें आपराधिक कार्यवाही को समाप्त कर दिया गया था। न्यायमूर्ति जोशी ने संजय जैन की याचिकाओं को खारिज करते हुए निष्कर्ष निकाला कि बिना मंजूरी के लिया गया संज्ञान शुरुआत से ही शून्य था।

मरीज के पास मोबाइल नहीं तो सरकारी अस्पताल में नहीं मिलता पूरा इलाज

(नि.प्र.)

सागर। शासन द्वारा गरीबों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। लेकिन वह योजनाएं सही तरह से उन तक नहीं पहुंच पा रही हैं। ऐसी ही एक योजना सरकार द्वारा अस्पताल में सभी के लिए मुफ्त इलाज दिया जा रहा है। लेकिन इस योजना का लाभ उन गरीबों के लिए नहीं मिल पा रहा है। जिनके पास मोबाइल नहीं है। मरीजों को अस्पताल में भर्ती तो कर दिया जाता हैं लेकिन उनके पास मोबाइल नहीं होने से मरीजों को सरकारी अस्पताल में पूरा इलाज नहीं मिल रहा है। जिससे मरीजों को अस्पताल से न सही इलाज मिल रहा है और न ही उसकी जांच ही हो पा रही हैं। एक ऐसा ही मामला गुरुवार को जिला अस्पताल के वार्ड नंबर तीन से सामने आया। जहां पलंग नंबर 13 पर भर्ती हरिराम पिता हन्सू अहिरवार 61 वर्ष निवासी भोजपुरा ने बताया कि वह दो दिन से भर्ती हैं लेकिन मोबाइल नहीं होने से मेरी कोई भी जांच अभी तक नहीं हो सकी है और जांचें नहीं होने से मेरा सहीं इलाज

भी अभी तक शुरू नहीं हो सका है। जिला अस्पताल के कर्मचारियों की माने तो इस प्रकार के मरीज हर वार्ड में एक दो मिल जाएगे। जिनके पास मोबाइल नहीं होने से उनकों सहीं इलाज नहीं मिल पा रहा है और बिना इलाज के ही मरीजों को वार्ड से छुट्टी दे दी जाती है। इस विषय पर जब अस्पताल के लेब में बात की गई तो वहां कार्यरत कर्मचारियों ने बताया कि बिना आभा आईडी के किसी भी मरीज की जांच अब संभव नहीं है। क्योंकि अब पूरा काम ओनलाइन हो गया है। आभा आईडी बनाने के लिए मरीज का आधार कार्ड और मोबाइल जरूरी है। क्योंकि कभी कभी आधार कार्ड अकेले से आभा आईडी नहीं बनती। आभा आईडी के लिए मोबाइल पर आए ओटीपी भी चाहिए होता है। जब मोबाइल नहीं बनता तो उसकी आभा आईडी नहीं बन पाती। जिसके कारण इस प्रकार की परेशानी जा रही है।

डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में हार्ले-डेविडसन HD X440T मोटरसाइकिल की लॉन्चिंग हुई

(नि.प्र.)

सागर। देश की अग्रणी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प एवं विश्व प्रसिद्ध ब्रांड हार्ले-डेविडसन के सहयोग से निर्मित हार्ले-डेविडसन HD X440 T मोटरसाइकिल की भव्य लॉन्चिंग आज डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर में विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग द्वारा आयोजित प्राग्योत्सव 2026 महोत्सव के अंतर्गत कुलपति वाई. एस. ठाकुर जी एवं व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर, शोध उपाधि प्राप्त एवं फिल्म कलाकार आकाश सिंह राजपूत जी द्वारा की गई। हार्ले-डेविडसन X440 T बाइक हीरो मोटोकॉर्प के प्लांट में बनाई जा रही है और यह देशभर के प्रीमिया हीरो शोरूमों पर उपलब्ध है, सागर में इस बाइक को प्रीमिया सेंट्रल हीरो शोरूम, मकरोनिया से खरीदा जा सकता है। यह बाइक अपने नये अवतार के साथ 440 सीसी इंजन के साथ आती है, जो 6 गियर, 38 न्यूटन मीटर टॉर्क, 27 बीएचपी का पावर, डिजिटल मीटर और 4 आकर्षक रंगों मे उपलब्ध हैं। इस अवसर पर कंपनी की ओर से आए Tm दीप राज जी ने भी मोटरसाइकिल लॉन्चिंग कार्यक्रम में सहभागिता की और पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन प्रीमिया सेंट्रल हीरो शोरूम के जनरल मॅनेजर कपिल श्रीवास एवं उनके सहयोगियों द्वारा किया गया, कार्यक्रम में सैकड़ों छात्रों, शिक्षकों और बाइक प्रेमियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

सागर की लाइफ लाइन राजघाट पहुंचकर अपर मुख्य सचिव ने पानी की गुणवत्ता एवं लॉग बुक जांची

(नि.प्र.)

सागर। सागर की लाइफ लाइन राजघाट पहुंचकर अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने पानी की गुणवत्ता एवं लॉग बुक की जांच की और आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर कलेक्टर संदीप जी आर, नगर निगम कमिश्नर राजकुमार खत्री सहित भोपाल और सागर के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने आज सागर की लाइफ लाइन राजघाट पहुंचकर शहर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल शोधन प्रक्रिया, जल गुणवत्ता परीक्षण प्रणाली तथा संबंधित अभिलेखों की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान श्री दुबे ने पानी की गुणवत्ता जांच से संबंधित लॉग बुक का अवलोकन किया तथा मौके पर ही जल नमूने की जांच कराई। परीक्षण में पानी का पीएच स्तर 7.30 पाया गया, जो मानक अनुरूप एवं पेयजल हेतु उपयुक्त है। उन्होंने उपस्थित केमिस्ट से परीक्षण प्रक्रिया, उपयोग किए जा रहे रसायनों एवं गुणवत्ता नियंत्रण की पद्धति के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

अपर मुख्य सचिव ने क्लोरीन हाउस का भी निरीक्षण किया तथा टाटा द्वारा निर्मित 5.7 एमएलडी क्षमता वाले फिल्टर हाउस में स्थापित स्काडा (SCADA - Supervisory Control and Data Acquisition) सिस्टम का अवलोकन किया। उन्होंने सिस्टम के माध्यम से जल आपूर्ति की निगरानी एवं नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी ली तथा इसके प्रभावी संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लीकेज की लगातार मॉनिटरिंग की जाए एवं सुधार कार्य किया

जावे। कहीं भी किसी भी प्रकार के दूषित पानी का वितरण न हो इसकी लगातार मॉनिटरिंग की जावे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पेयजल की गुणवत्ता पर निरंतर निगरानी रखी जाए और नागरिकों को शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बताया गया कि सागर की लाइफ लाइन राजघाट परियोजना में सागर नगर के 48 वार्ड एवं मकरोनिया सागर के 18 वार्ड तथा छावनी मंडल में लगभग छरू लाख की आबादी को जल प्रदान किया जाता है। बांध की क्षमता 62.67 लाख घन मीटर है जल संग्रहण क्षेत्र 472 वर्ग किलोमीटर है। फिल्टर हाउस की क्षमता 88.20 एमएलडी की है। जल वितरण प्रणाली के अंतर्गत कुल 8 ओवर हैड टैंक नगर निगम क्षेत्र में स्थापित किए गए हैं जिसमें 390 किलोमीटर नवीन एवं 40 किलोमीटर पुरानी पाइप लाइन का नेटवर्क स्थापित है। 1 जनवरी 2025 से टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड द्वारा एमपी यूडीसी के मार्गदर्शन में संचालन एवं संधारण किया जा रहा है।

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुक्त कार्यपालन यंत्री प्रदीप मिश्रा, एसडीएम अमन मिश्रा, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन मेघ तिवारी, आकाश अग्रवाल, रामधार तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

क्या आप दुनिया के इस सबसे बड़े फूल के बारे में जानते हैं, वजन 11 किलोग्राम और लंबाई 3 फिट

धरती पर फूलों वाले पौधों की लगभग 250,000 से 400,000 प्रजातियां हैं, जिनमें अनोखे रंग, खुशबू और आकार के साथ बहुत ज्यादा बायोडायवर्सिटी देखने को मिलती है. इनमें से कई प्रजातियां चमकीले रंग की होती हैं और पॉलिनेशन के लिए कीड़ों को आकर्षित करती हैं. डहलिया, गुलाब, ट्यूलिप, ऑर्किड और कमल जैसे फूल आकार में अलग-अलग होते हैं और प्रकृति की सुंदरता और इकोलॉजिकल संतुलन बनाए रखने के लिए जरूरी हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि धरती पर एक ऐसा फूल है जिसका वजन 11 किलोग्राम तक होता है? हां, इस फूल को दुनिया का सबसे बड़ा फूल माना जाता है. इस खबर में जानें कि यह कौन सा फूल है..

ये है दुनिया का सबसे बड़ा फूल

रैफलेसिया अर्नोल्डी को दुनिया का सबसे बड़ा फूल माना जाता है. यह अनोखा फूल अपनी खुशबू और आकार दोनों के लिए मशहूर है. इसे आमतौर पर 'लाश का फूल' यी 'कॉर्प्स फ्लावर' कहा जाता है क्योंकि, जब यह खिलता है, तो इससे सड़े हुए मांस जैसी बदबू आती है. इसकी सड़े हुए मांस जैसी बदबू, उन मक्खियों को आकर्षित करती है जो सड़े हुए मांस पर पलती हैं, जिससे परागण में मदद मिलती है. कहने का मतलब है कि घने जंगलों में, जहां परागण करने वाले कीड़े कम होते हैं, यह पौधा मक्खियों को आकर्षित करता है और उनका इस्तेमाल अपने पराग को फैलाने के लिए करता है. रैफलेसिया अर्नोल्डी दुनिया का सबसे बड़ा अकेला फूल है, जो इंडोनेशिया के वर्षावनों में पाया जाता है, और इसका व्यास 3 फीट तक हो सकता है और इसका वजन 6 से 11 किलोग्राम के बीच होता है. इस परजीवी पौधे में, जो सिर्फ बेलों पर उगता है, अपनी पत्तियां, जड़ें या तने नहीं होते हैं

बॉटनी में इसकी एक खास जगह है

हालांकि टाइटन एरम या टैलिपॉट पाम जैसे दूसरे पौधे बड़े दिख सकते हैं, लेकिन उनके फूल असल में कई छोटे फूलों से बने होते हैं. इसके उलट, रैफलेसिया अर्नोल्डी सिर्फ एक बहुत बड़ा फूल पैदा करता है, इसीलिए बॉटनी में इसकी एक खास जगह है. फूल का आकार ही प्रभावशाली है, लेकिन इसकी बनावट भी उतनी ही खास है. फूल का रंग लाल-भूरा होता है, अक्सर गहरा लाल या ईंट जैसा लाल, और उस पर हल्के, मस्से जैसे धब्बे होते हैं.

कच्चे-सड़े हुए मांस जैसी बनावट

इसकी मोटी, गूदेदार पंखुड़ियों में झुर्रीदार बनावट होती है जिसकी तुलना अक्सर कच्चे या सड़ते हुए मांस से की जाती है, जिससे इसका विजुअल इम्पैक्ट और भी ज्यादा परेशान करने वाला हो जाता है. जब यह पूरी तरह खिल जाता है, तो फूल जंगल की जमीन पर सपाट पड़ा रहता है, जिससे घने वर्षावन में एक नाटकीय और लगभग दूसरी दुनिया जैसा नजारा बनता है.

यह पौधा उन जगहों पर उगता है जहां कम धूप होती है

रैफलेसिया अर्नोल्डी दक्षिण पूर्व एशिया में सुमात्रा और बोर्नियो के रेनफॉरेस्ट में पाया जाता है. यह प्राइमरी और सेकेंडरी दोनों तरह के रेनफॉरेस्ट में पाया जाता है, हालांकि इसके जीवित रहने के लिए कुछ खास जरूरतें होती हैं. यह पौधा घने, नमी वाले जंगलों में रहने के लिए अनुकूल हो गया है, जहा जंगल की जमीन तक बहुत कम धूप पहुंचती है और तापमान लगभग एक जैसा रहता है. ये छायादार स्थितियां न केवल फूल के लिए बल्कि इसके होस्ट पौधे के लिए भी बहुत जरूरी हैं.

मिट्टी में अपने आप नहीं उगता

दूसरे फूल वाले पौधों की तरह, रैफलेसिया अर्नोल्डी मिट्टी में अपने आप नहीं उगता है. इसके बजाय, यह अपना पूरा जीवन टेट्रास्टिग्मा जीनस की एक बेल के टिशू के अंदर बिताता है. यह करीबी रिश्ता एक वजह है कि इस फूल का फैलाव बेलों और उनके जंगल की कैनोपी के हैबिटेट से इतनी गहराई से जुड़ा हुआ है. ये बेलें अक्सर धूप तक पहुंचने के लिए आस-पास के पेड़ों पर चढ़ती हैं और फैलती हैं, जिससे पौधों की एक घनी परत वाली कैनोपी बन जाती है. रैफलेसिया अर्नोल्डी इस हैबिटेट के सबसे अंधेरे हिस्सों को पसंद करता है. यह पौधा तभी दिखता है जब यह प्रजनन के लिए तैयार होता है. यह ध्यान रखना जरूरी है कि पूरी तरह से खिला हुआ फूल सिर्फ कुछ दिनों तक ही रहता है.

खूबसूरत दिखने के लिए अपने चहरे पर जरूर लगाए मोरिंगा ऑयल

जानें इसके फायदे और इस्तेमाल का सही तरीका

महिलाएं खूबसूरत दिखने के लिए कई अलग-अलग तरीके अपनाती हैं. वे किचन में मिलने वाली नेचुरल चीजों को ब्यूटी प्रोडक्ट्स के तौर पर इस्तेमाल करती हैं. हालांकि, एक्सपर्ट्स नेचुरल ब्यूटी रूटीन में मोरिंगा ऑयल को शामिल करने की सलाह देते हैं. सूखे मोरिंगा के बीजों से निकाला गया यह तेल खूबसूरती बढ़ाने में बहुत असरदार माना जाता है. आपने मोरिंगा के हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में तो सुना ही होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि मोरिंगा हमारी सेहत के साथ-साथ हमारी स्किन के लिए भी उतना ही फायदेमंद है? जी हां, एक्सपर्ट्स का कहना है कि आजकल महिलाएं चमकदार और मुलायम स्किन के लिए मोरिंगा ऑयल का भी इस्तेमाल कर रही हैं. इस खबर में जानिए कैसे मोरिंगा ऑयल स्किन के लिए फायदेमंद है...

चमकदार त्वचा के लिए:

एक्सपर्ट्स का कहना है कि त्वचा पर तिल का तेल लगाने से प्रदूषण से खराब हुई त्वचा अपनी नॉर्मल स्थिति में आ जाती है. यह रोजाना की एक्टिविटीज से होने वाली थकान और स्ट्रेस से भी राहत देता है. यह भी सलाह दी जाती है कि अगर इस तेल का रेगुलर इस्तेमाल किया जाए, तो त्वचा न सिर्फ मुलायम होगी बल्कि चमकदार भी दिखेगी.

नमी देता है:

एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह तेल रूखी त्वचा के लिए अच्छा है. यह त्वचा की अंदरूनी परतों में जाकर नमी देता है. यह चिपचिपा नहीं लगता, और यह सलाह दी जाती है कि फटे होंठों पर लगाने से वे मुलायम हो जाएंगे. इसमें मौजूद फैटी एसिड, विटामिन और मिनरल्स त्वचा को पर्याप्त नमी और पोषण देते हैं.

एज स्पॉट्स से सुरक्षा:

एक्सपर्ट्स का कहना है कि मोरिंगा तेल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं और स्किन को जवान और हेल्दी रखते हैं. इसमें मौजूद विटामिन सी कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाता है और स्किन को झुर्रियों से बचाता है. इसलिए, एक्सपर्ट्स एज स्पॉट्स को रोकने के लिए पहले से ही सावधानी बरतने की सलाह देते हैं. एक्सपर्ट्स कहते हैं कि अगर आपके चेहरे पर पहले से ही फाइन लाइन्स हैं, तो वे धीरे-धीरे गायब हो जाएंगी. इसके लिए नहाने के बाद इस तेल से स्किन पर हल्के हाथ से मसाज करने से स्किन पूरे दिन मॉइस्चराइज्ड रहेगी. जिन्हें दिन में इसे लगाना मुश्किल लगता है, वे रात को सोने से पहले भी इस तेल को अपनी स्किन पर लगा सकते हैं. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल रिसर्च एंड एप्लीकेशंस के अनुसार, मोरिंगा तेल में एंटीमाइक्रोबियल, एंटीबैक्टीरियल, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीफंगल और एंटी-एजिंग गुण होते हैं, जो स्किन की कई समस्याओं में मदद करते हैं, जिसमें उम्र बढ़ने के असर जैसे झुर्रियां और बेजान स्किन शामिल हैं.

दाग-धब्बे चेक करें:

तिल के तेल में विटामिन सी और ई भरपूर मात्रा में होते हैं. एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये त्वचा के दाग-धब्बों को पूरी तरह से खत्म करने में मदद करते हैं. इसलिए, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के एक स्टडी से पता चलता है कि यह डार्क स्पॉट्स, मुंहासों के निशान और पिगमेंटेशन जैसी स्किन प्रॉब्लम्स के लिए एक असरदार इलाज है. कहा जाता है कि इस तेल की एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीसेप्टिक प्रॉपर्टीज जलने और घावों को तेजी से ठीक करने में भी मदद करती हैं.

बालों के लिए:

तिल का तेल न सिर्फ त्वचा को मॉइस्चराइज करता है, बल्कि बालों को भी करता है. इसके लिए, थोड़ी मात्रा में तिल का तेल लेकर गीले बालों में धीरे-धीरे मसाज करने की सलाह दी जाती है. कहा जाता है कि इस तेल के रेगुलर इस्तेमाल से बाल मजबूत होते हैं और डैंड्रफ और दोमुंहे बालों जैसी समस्याओं से भी राहत मिलती है.

इसके अलावा, एक्सपर्ट्स का कहना है कि मूंगफली के तेल का इस्तेमाल चेहरे को साफ करने के लिए भी किया जा सकता है. इसकी एंटी-इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज धूप से खराब हुई त्वचा को नॉर्मल कंडीशन में लाने में मदद करती हैं. इसे हेयर सीरम के तौर पर भी इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है.

खाने के तुरंत बाद चाय पीना हो सकता है खतरनाक

हममें से बहुत से लोग चाय के आदी होते हैं. बहुत से लोगों को दिन में किसी भी समय चाय पीना पसंद होता है, सुबह उठने से लेकर सोने तक. ऑफिस में काम करने वालों से लेकर कॉलेज के स्टूडेंट्स तक, लगभग हर कोई दिन में कम से कम दो या तीन बार चाय पीता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि चाय पीने से शरीर में तुरंत एनर्जी आती है. इसके अलावा, यह सुस्ती से लड़ने में मदद करती है और थकान कम करती है. कुछ रिसर्च से पता चलता है कि सुबह चाय पीने से दिमाग अलर्ट रहता है.

यह ध्यान देने वाली बात है कि चाय सिर्फ भारतीय ही नहीं, बल्कि ईरान और यूनाइटेड स्टेट्स जैसे देशों के लोग भी पीते हैं. हालांकि, बहुत से लोगों को खाना खाने के बाद चाय पीने की आदत होती है. ऐसे में, मध्य प्रदेश के भोपाल में रहने वाले आयुर्वेदिक डॉक्टर राजेश शर्मा के अनुसार, आइए जानते हैं कि यह आदत हमारी सेहत के लिए कितनी अच्छी है और इसके क्या फायदे और नुकसान हैं.

क्या खाने के बाद चाय पीना सही है या गलत?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, खाने के तुरंत बाद चाय पीना पूरी तरह से सही नहीं है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि चावल खाने के तुरंत बाद चाय पीने से पाचन तंत्र और पोषक तत्वों के अवशोषण में दिक्कत हो सकती है. चाय के कुछ गुण पाचन पर असर डालते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स का कहना है कि चावल खाने के तुरंत बाद चाय पीने से पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं. चाय में मौजूद टैनिन और कैफीन जैसे रसायन पाचन प्रक्रिया को धीमा कर देते हैं. खासकर डायबिटीज़ के मरीज़ों को खाने के तुरंत बाद चाय पीने से बचना चाहिए. नहीं तो, ब्लड शुगर लेवल बढ़ने की संभावना रहती है.

खाना खाने के बाद चाय पीने के नुकसान

अगर आप खाना खाने के तुरंत बाद चाय पीते हैं, तो उसमें मौजूद कैफीन दिमाग पर स्ट्रेस डाल सकता है. इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं. खाना खाने के बाद चाय पीने से एसिडिटी और पेट दर्द का खतरा भी बढ़ जाता है. अगर आपको पहले से ही एसिडिटी, पेट दर्द या पाचन संबंधी समस्याएं हैं, तो खाना खाने के बाद चाय न पीना ही बेहतर है. चाय में मौजूद फॉस्फोरिक एसिड हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है. कैफीन ब्लड प्रेशर बढ़ाता है. इसके अलावा, खाना खाने के बाद चाय पीने से नींद में भी दिक्कत हो सकती है.

स्टडीज क्या कहती है?

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन ने कई स्टडीज के साथ यह खुलासा किया है कि ज्यादा चाय और कॉफी पीने से डायबिटीज हो सकती है. एक्सपर्ट्स यह भी कहते हैं कि रेगुलर सॉफ्ट ड्रिंक्स पीने से वजन बढ़ सकता है. इसके अलावा, हैदराबाद में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के रिसर्चर्स का कहना है कि जो लोग दिन में दो बार से ज्यादा मीठी चाय और कॉफी पीते हैं, उन्हें डायबिटीज और मोटापे दोनों का खतरा ज्यादा होता है, और जो लोग सॉफ्ट ड्रिंक्स पीते हैं, उन्हें मोटापा और टाइप 2 डायबिटीज का खतरा ज्यादा होता है. अङ्कस्नक्र्के रिसर्चर प्रोफेसर उल्लास एस. ने बताया कि चाय, कॉफी और सॉफ्ट ड्रिंक्स में मौजूद सुक्रोज लिवर, मांसपेशियों और छोटी आंत पर बुरा असर डालता है. उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे बिना चीनी की चाय और कॉफी पीने की कोशिश करें. आप सॉफ्ट ड्रिंक्स से जितना दूर रहेंगे, उतना ही अच्छा होगा.

क्या आपको भी रहती है गैस, कब्ज या भारी पेट की शिकायत, तो इन जादुई फलों का सेवन जरूर करें

बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि सेहत एक कीमती तोहफा है. स्वस्थ रहने के लिए सही खाना खाना बहुत जरूरी है. एक्सपर्ट्स इसके लिए बैलेंस्ड डाइट लेने की सलाह देते हैं. वे अपनी डाइट में खूब सारी ताजी सब्जियां और फल शामिल करने की भी सलाह देते हैं. फल खाना एक हेल्दी विकल्प है. फल न सिर्फ शरीर को जरूरी पोषक तत्व देते हैं, बल्कि कम कैलोरी होने की वजह से वजन कम करने में भी मदद करते हैं. इसके अलावा, फल कई स्वास्थ्य समस्याओं को कम करने में मददगार होते हैं. कब्ज से राहत पाने के लिए अलग-अलग तरह के फल खाने की सलाह दी जाती है. फल खाना न सिर्फ कब्ज के लिए बल्कि कई दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं के लिए भी फायदेमंद है.

पेट की समस्याओं के लिए सपोटा:

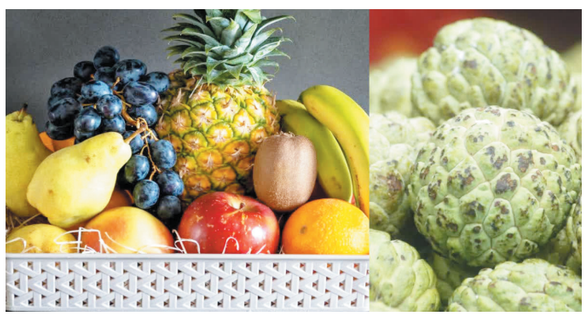

बहुत से लोग चीकू खाना पसंद करते हैं. चीकू बहुत मीठा होता है. इसमें विटामिन ए, सी, ई, और के के साथ-साथ कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. इसमें टैनिन भी भरपूर मात्रा में होता है. यह एक नेचुरल एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में काम करता है, जो पाचन को बेहतर बनाता है. न्यूट्रिशनिस्ट खुशी छाबड़ा के अनुसार, सपोटा या चीकू गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से परेशान लोगों के लिए एक अच्छा फल है.

इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए संतरे:

संतरे स्वाद में मीठे और खट्टे होते हैं. ये इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं. ये शरीर की मौसमी बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाते हैं. ऐसा इसलिए है क्योंकि विटामिन ष्ट कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाता है. यह सफेद रक्त कोशिकाओं की संख्या भी बढ़ाता है. इनमें कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है. ये उन लोगों के लिए भी अच्छे हैं जो वजन कम करना चाहते हैं.

कब्ज के लिए आंवला:

आंवले को इंडियन गूजबेरी भी कहा जाता है. यह गूजबेरी परिवार का एक फल है. न्यूट्रिशनिस्ट कहते हैं कि कब्ज से परेशान लोगों के लिए आंवला एक बेहतरीन ऑप्शन है. आंवले में घुलनशील फाइबर होता है, जिसे पेक्टिन भी कहते हैं, जो कब्ज से राहत दिलाने में मदद करता है. आंवला आंतों में मल को नरम भी करता है. आंवला एक नेचुरल लैक्सेटिव की तरह काम करता है.

पेट की सेहत के लिए सीताफल:

आजकल पेट की अच्छी सेहत बनाए रखना बहुत जरूरी है. अगर आपका पेट स्वस्थ है, तो आपको ज्यादा स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं नहीं होंगी. न्यूट्रिशनिस्ट के अनुसार, पेट की अच्छी सेहत के लिए सीताफल को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए. यह फल मैग्नीशियम और पोटेशियम से भरपूर होता है, जो पेट की सेहत को बेहतर बनाते हैं. सीताफल में मौजूद फाइबर भी पाचन को आसान बनाने में मदद करता है. इसके अलावा, सीताफल दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद है. हालांकि, डायबिटीज वाले लोगों को डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही सीताफल खाना चाहिए.

बालों और त्वचा के लिए आंवला:

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आंवला एक अच्छा ऑप्शन है. यह विटामिन सी से भरपूर है, जो बालों और त्वचा के लिए फायदेमंद है. साथ ही, नियमित रूप से आंवला खाने से रक्त शुद्ध होता है. इसके अलावा, यह लिवर के कार्य को बेहतर बनाता है. आंवला ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को कम करने में भी लाभकारी है. इसलिए, यदि आप अपने संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हैं, तो पोषण विशेषज्ञ प्रतिदिन एक आंवला खाने की सलाह देते हैं.

एनर्जी बढ़ाने के लिए केले:

जिन लोगों को पेट फूलने या कम एनर्जी की समस्या है, उनके लिए केले एक बहुत अच्छा ऑप्शन हैं. केले में पोटैशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो शरीर से ज्यादा सोडियम को बाहर निकालने में मदद करता है, जिससे वॉटर रिटेंशन और पेट फूलना कम होता है. ये जिम जाने वालों के लिए भी एक बेहतरीन विकल्प हैं, क्योंकि ये तुरंत एनर्जी देते हैं.

बेंगलुरु ने दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग जीता

दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी, मंधाना ने 87 रन बनाए

बडोदरा।

कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स की अगुआई में बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन से दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विरुद्ध चार विकेट पर 203 रन बनाए, जो डब्ल्यूपीएल फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर है। हालांकि, बेंगलुरु के सामने ये स्कोर छोटा साबित हुआ और बेंगलुरु ने इस मुकाबले को 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। जेमिमा ने 37 गेंद में आठ चौकों की मदद से 57 रन की पारी खेली, जबकि लौरा वोल्वा?र्ट्स (44 रन, 25 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) और चिनेल हेनरी (नाबाद 35, 15 गेंद, चार चौके, दो छक्के) ने चौथे विकेट के लिए 24 गेंद में 55 रन की तूफानी

साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

जेमिमा रोड्रिग्स की बल्लेबाजी

जेमिमा ने वोल्वार्ट्स के साथ भी तीसरे विकेट के लिए 76 रन जोड़े। रॉयल चैलेंजर्स ने पहले तीन ओवर में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें लॉरेन बेल और सयाली सतघरे ने सिर्फ नौ रन दिए, जिससे दिल्ली की प्रारंभिक बल्लेबाज शेफाली वर्मा और ली को अपने हाथ खोलने के लिए ज्यादा जगह नहीं मिली। हालांकि चौथे ओवर में कैपिटल्स को 20 रन मिले और धीमी शुरुआत के बाद उन्हें बहुत जरूरी मोमेंटम मिला। अरुंधति रेड्डी ने शेफाली का विकेट लेकर आरसीबी की वापसी कराई। वहीं इसके बाद वोल्वार्ट्स ने तेजी से बल्लेबाजी की। जिससे दिल्ली सात ओवर में 72 रन पर एक विकेट पर पहुंच गई। हमवतन नादिन डी क्लर्क ने वोल्वार्ट्स की खतरनाक होती जा रही पारी का अंत किया। दिल्ली ने इस तरह पहले बल्लेबाजी करते हुए 203 रन बना लिए और आरसीबी को 204 रनों का लक्ष्य दिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की बल्लेबाजी

204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलुरु की टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 9 रनों के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवा दिया। हालांकि, इसके बाद कप्तान स्मृति मंधाना और जॉर्जिया वोल ने कमाल की बल्लेबाजी की और दोनों ने अर्धशतक लगाया। वोल ने इस मुकाबले में 54 गेंदों पर 79 रनों की पारी खेली, जिसमें 14 चौके शामिल रहे।

दिल्ली की कप्तान जेमिमा ने जड़ी फिफ्टी

दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए चार विकेट पर 203 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स ने सबसे ज्यादा 37 बॉल पर 57 रन बनाए, जिसमें 8 चौके शामिल रहे। वहीं लॉरा वोल्वार्ट ने 3 चौके और दो छक्के की मदद से 25 गेंदों पर 44 रनों का योगदान दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज लिजेल ली ने भी आतिशी बल्लेबाजी की। ली ने 3 चौके और तीन छक्के की मदद से 30 गेंदों पर 37 रनों की इनिंग्स खेली। चिनेले हेनरी ने तो 4 चौके और दो छक्के की मदद से सिर्फ 15 गेंदों पर नाबाद 35 रन कूटे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से नादिन डिक्लर्क, सयाली सतघरे और अरुंधति रेड्डी ने एक-एक सफलता हासिल की।

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी ने बदल डाला है टीम इंडिया को : ऋषभ पंत

नयी दिल्ली (वार्ता)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उनकी कप्तानी ने टीम इंडिया को बदल डाला है। पंत ने एक कार्यक्रम 'सलाम क्रिकेट' में कहा,सूर्या भाई की एनर्जी ड्रेसिंग रूम का माहौल ही बदल देती है। वे सिर्फ बल्लेबाज नहीं, बल्कि ऐसे लीडर हैं जो हर खिलाड़ी को आजादी और भरोसा देते हैं। पंत के

मुताबिक टीम इंडिया में दिखाई दे रही एग्रेसिव माइंडसेट की जड़ में कप्तान की सोच और फास्ट बॉलर्स की भूमिका है। टी20 वर्ल्ड कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और ऋषभ पंत ने पहले सत्र में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप को इंजॉय करना पड़ेगा. उन्होंने बताया कि फिलहाल वे रिकवरी फेज में हैं और वर्ल्ड कप का प्रेशर होगा, लेकिन होम ग्राउंड में खेल का अनुभव अलग होता है। पंत 10 जनवरी से टीम इंडिया से बाहर हैं और तब से बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपनी फिटनेस पर मेहनत कर रहे हैं।

नेपाल ने कनाडा को छह विकेट से दी शिकस्त

चेन्नई (वार्ता)।

आसिफ शेख (58) और संदीप जोरा (44) की शानदार पारियों की बदौलत नेपाल ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप से पहले खेले गये अभ्यास मैच में कनाडा को 12 गेंदें शेष रहते छह विकेट से शिकस्त दी। आज यहां टॉस जीतकर कनाडा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल के खिलाफ निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 161 का स्कोर बनाया। नवनीत धारीवाल ने 36 गेंदों में तीन छक्के और एक चौका लगाते हुए 41 रनों की पारी खेली। कंवरपाल तठगुर (25), निकोलस कीरटॉ (10), हर्ष ठाकर (आठ) और जसकरण सिंह (21) रन बनाकर आउट हुये। श्रेयस मोव्वा ने 19 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 38 रनों की पारी खेली। नेपाल के लिए संदीप लैमिछाने और कुशल भुर्तेल ने दो-दो विकेट लिये। सोमपाल कामी और नंदन यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी नेपाल की टीम ने 18 ओवर में चार विकेट पर 162 रन बनाकर मुकाबला छह विकेट से जीत लिया। नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसने तीसरे ही ओवर में कुशल भुर्तेल (12) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये संदीप जोरा ने आसिफ शेख के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। आसिफ शेख रिटायर्ड आउट हुये। आसिफ शेख ने 29 गेंदों में छह चौके और तीन छक्के लगाते हुए 58 रनों की पारी खेली। 13वें ओवर में अजयवीर हुंदल ने संदीप जोरा को आउट किया। संदीप जोरा ने 30 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए 44 रन बनाये। लोकेश बम पांच रन बनाकर आउट हुये। गुलशन झा ने 25 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए नाबाद 31 रन बनाये। दीपेंद्र सिंह ऐरी नौ रन बनाकर नाबाद रहे। कनाडा के लिए जसकरण सिंह, साद बिन जफर और अजयवीर हुंदल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

भारत अंडर-19 की नजरें रिकॉर्ड छठे खिताब पर

हरारे (वार्ता)7 शुक्रवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप 2026 का फाइनल एक रोमांचक मुकाबले का वादा करता है, जिसमें भारत अंडर19 का मुकाबला इंग्लैंड अंडर19 से होगा, जिसने पहले ही दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों की कल्पना पर कब्जा कर लिया है। ऑनलाइन वायरल हो रही कहानी साफ है भारत का रिकॉर्ड तोड़ सेमीफाइनल प्रदर्शन बनाम इंग्लैंड का अजेय अभियान, जिसमें हरारे की धीमी, स्पिन के अनुकूल पिच यह तय करेगी कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी कौन उठाएगा। भारत की नजरें रिकॉर्ड छठे खिताब पर होंगी।

भारत अंडर19 सेमीफाइनल में अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ 41.1 ओवर में रिकॉर्ड 311 रन का पीछा करने के बाद आत्मविश्वास की लहर पर फाइनल में पहुंचा है। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने छह मैचों में 148 के स्ट्राइक रेट से 264 रन बनाए हैं, और भारत को मजबूत शुरुआत देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मध्य क्रम के बल्लेबाज विहान मल्होत्रा और आयुष म्हात्रे, विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू के साथ, स्थिरता और आक्रामक बल्लेबाजी प्रदान करते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि भारत की बल्लेबाजी में उच्च दबाव वाली स्थितियों को संभालने की गहराई है।हारे की टर्निंग ट्रैक पर भारत का स्पिन आक्रमण उनका तुरुप का इक्का है। हेनिल पटेल 4.19 की इकॉनमी से 11 विकेट लेकर गेंदबाजी लाइनअप का नेतृत्व करते हैं, जिन्हें आरएस अंबरीश और खिलन पटेल का समर्थन प्राप्त है। स्पिन ऑलराउंडरों के शामिल होने से यह सुनिश्चित होता है कि भारत के पास कई आक्रामक विकल्प हैं, जो इंग्लैंड के बल्लेबाजों की किसी भी गलती का फायदा उठाने में सक्षम हैं। विश्लेषकों का मानना है कि धीमी, सूखी परिस्थितियां फाइनल में स्पिन को निर्णायक कारक बना सकती हैं।

सुमित नागल ने खुद को डेविस कप मैच के लिए तैयार घोषित किया

बेंगलुरु (वार्ता)।

बेंगलुरु में डेविस कप टाई के लिए सुमित नागल की तैयारी शारीरिक के साथ-साथ मानसिक परीक्षा भी रही है। बैंकॉक के बाद चोट से जूझने वाले भारतीय टेनिस खिलाड़ी का कहना है कि वह तीन हफ़्तों की कड़ी ट्रेनिंग और नए फोकस और आत्मविश्वास के साथ कोर्ट पर अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं। नागल ने 7 और 8 फरवरी को एसएम कृष्णा टेनिस स्टेडियम में भारत और नीदरलैंड्स के बीच होने वाले डेविस कप क्वालिफायर के पहले राउंड से पहले पत्रकारों से कहा,ट्रेनिंग की तीव्रता हर दिन थोड़ी ज़्यादा रही है। मुझे लगता है कि आज मैंने सीधे रिडक्शन का अभ्यास किया, और फिर मैंने डबल्स भी खेला। तीव्रता ज़्यादा रही है, और रोज़ाना के शेड्यूल के हिसाब से, मेरा शरीर मैच खेलने के लिए तैयार है। हम यही देखने की कोशिश कर रहे थे, क्योंकि मैंने बैंकॉक

के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। नागल ने कहा, कल एक और टेस्ट होगा - हम यह देखने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा सेट खेलने की कोशिश करेंगे कि मेरा शरीर कैसे प्रतिक्रिया करता है, और मैं उसके बाद कैसा महसूस करता हूँ। इसीलिए हम प्रैक्टिस मैच खेलते हैं। सच कहूँ तो, यह मेरे लिए बहुत, बहुत अच्छा दिन था। सब कुछ अच्छा लगा, और मैं भारत के लिए खेलने का इंतज़ार कर रहा हूँ।

ऑस्ट्रेलिया बनाम नीदरलैंड मुकाबला टॉस बाद हुआ रद्द

कोलंबो (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड के बीच टी-20 विश्वकप से पहले गुरुवार को होने वाला अभ्यास मैच बारिश के कारण टॉस होने के बाद रद्द घोषित कर दिया गया। आज यहां आर प्रेमदासा स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद शुरु हुई बारिश के कारण मैच को रद्द घोषित कर दिया गया। ऑस्ट्रेलिया (एकादश)=- मिशेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, जॉश इंग्लिस (विकेटकीपर), कमरन ग्रीन, टिम डेविड, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, नाथन एलिस, एडम जम्पा, जॉश हेजलवुड, जेवियर बार्टलेट, मैथ्यू कुह्नमैन, कूपर कोनोली, मैट रेनशॉ और बेन ड्वारशुइस।

दिग्गज क्रिकेटरों ने कहा पाकिस्तान लेगा यू-टर्न

नयी दिल्ली (वार्ता)। बांग्लादेश को आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप से आउट कर दिया था क्योंकि वो अपने मुकाबले भारत में खेलने को राजी नहीं हुआ। आईसीसी ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड की एंट्री कराई। इस फैसले से पाकिस्तानी टीम को मिर्ची लग गई और उसने भारत के खिलाफ ग्रुप मैच से अनुपस्थित रहने का फैसला लिया। पाकिस्तान सरकार ने अपनी टीम को आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय टीम के खिलाफ ग्रुप मैच में भाग लेने की परमिशन नहीं दी है। यह हाईवोल्टेज मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में निर्धारित है। टी20 वर्ल्ड कप से पहले इस विवाद ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी

है। इस मुद्दे पर अब भारत के दिग्गज क्रिकेटर्स खुलकर सामने आ गए हैं और पाकिस्तान के रुख पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। किसी ने इसे राजनीति से प्रेरित फैसला बताया, तो किसी ने खिलाड़ियों के हितों की अनदेखी पर सवाल उठाए। टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाजों मदन लाल, चेतन शर्मा और अतुल वासन ने पाकिस्तानी टीम को लताड़ा है। इन तीनों दिग्गजों ने आजतक के खास कार्यक्रम सलाम क्रिकेट में पूरे मामले पर खुलकर बात की। चेतन शर्मा का मानना है कि मौजूदा हालात लंबे समय तक नहीं टिकेंगे और पाकिस्तान जल्द ही अपने फैसले से यूटर्न ले सकता है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में होने वाले चुनावों के बाद माहौल बदल सकता है और तब एक आधिकारिक बयान सामने आ सकता है कि जनता की भावना को देखते हुए क्रिकेट जारी रहना चाहिए। चेतन ने अपने राजनीतिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि जब आप राजनीति में होते हैं तो फैसले अक्सर राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित होते हैं, लेकिन क्रिकेट अंततः खिलाड़ियों और फैन्स के लिए होता है। चेतन शर्मा ने कहा, 12 तारीख को बांग्लादेश में चुनाव हैं। उसके बाद आप यू-टर्न देखेंगे।

एयरटेल का मुनाफा 25.5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली (वार्ता)। दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कंपनी एयरटेल को समेकित आधार पर मौजूदा वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 6,920 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो सालाना आधार पर 25.5 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी ने गुरुवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा की। इसमें बताया गया है कि आलोच्य तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 19.6 प्रतिशत बढ़कर 53,982 करोड़ रुपये हो गया। इसमें भारतीय कारोबार से 39,226

करोड़ रुपये का राजस्व मिला जो सालाना आधार पर 13.2 प्रतिशत अधिक है। मोबाइल खंड में प्रीमियम सेवाओं, घरेलू कनेक्शन की मजबूत गति और एयरटेल बिजनेस के मजबूत प्रदर्शन के कारण यह वृद्धि संभव हो सकी है। देश में मोबाइल सेवा ग्राहकों से प्राप्त राजस्व सालाना 9.1 प्रतिशत बढ़ा है। घरेलू कनेक्शन का राजस्व 32.6 प्रतिशत बढ़ा है। तिमाही के दौरान इस खंड में कंपनी के ग्राहकों की संख्या 1,159 हजार पर पहुंच गयी है। एयरटेल बिजनेस के राजस्व में 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। डिजिटल टीवी से प्राप्त राजस्व 0.3 प्रतिशत बढ़ा।

देश में बनेगा उभयचर विमान एल्बेट्रोस 2.0 का पिछला हिस्सा

रक्षा और सरकारी क्षेत्रों के लिए होंगे विशेष संस्करण

नयी दिल्ली (वार्ता)। पानी और जमीन दोनों पर उतरने में सक्षम उभयचर विमान बनाने में विशेषज्ञता रखने वाली ऑस्ट्रेलियाई कंपनी एंफीबियन एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (एएआई) ने भारत में अपने एल्बेट्रोस 2.0 विमानों के एक हिस्से के निर्माण के लिए भारतीय कंपनी एपोजी एयरोस्पेस के साथ करार किया है। साथ ही एएआई ने इन विमानों के रक्षा और सरकारी ग्राहकों को विमानों की बिक्री के लिए एपोजी एयरोस्पेस को भारतीय उपमहाद्वीप में अपना प्राधिकृत प्रतिनिधि सहयोगी भी घोषित किया है। इसके अलावा, एल्बेट्रोस विमानों के लिए रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉलिंग (एमआरओ) सुविधा देने के लिए भी प्राधिकृत किया गया है। दोनों कंपनियों द्वारा गुरुवार को आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एपोजी एयरोस्पेस एल्बेट्रोस 2.0 विमान के

लिए टेल सेक्शन (पिछले हिस्से) का निर्माण करेगी। एएआई की प्रवर्तक कंपनी एंफीबियन एयरक्राफ्ट होल्डिंग्स (एएएच) के संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष ख्वा होंग ने कहा कि भविष्य में देश में असेम्बली लाइन लगाने की भी उनकी योजना है। उन्होंने कहा कि देश में उभयचर विमानों के लिए काफी बड़ा बाजार है। कंपनी ने एल्बेट्रोस 2.0 के तीन संस्करण लॉन्च किये हैं - सैन्य, सरकारी और वाणिज्यिक। एएएच के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपी रेड्डी ने बताया कि भारतीय नौ सेना ने चार उभयचर विमानों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं और कंपनी को विश्वास है कि उसे इसका ऑर्डर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना को तत्काल 25-30 उभयचर विमानों की जरूरत है। श्री रेड्डी ने कहा कि पहले चरण में तीन साल में 25-30 विमानों के भारत में आने की उम्मीद है। भारत इन विमानों का इस्तेमाल करने वाला एशिया का पहला देश होगा। उन्होंने बताया कि एल्बेट्रोस का डेमो विमान अगले चार-छह महीने में भारत में आ जायेगा जबकि ग्राहक के इस्तेमाल के लिए पहला विमान डेढ़ से दो साल में आ सकता है। उन्होंने बताया कि शुरुआती 15 विमान की कीमत 3,500 करोड़ रुपये के आसपास हो सकती है। एपोजी एयरोस्पेस के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विंग कमांडर (सेवानिवृत्त) एम.वी.एन. साई ने कहा कि कंपनी के पास 10-15 विमानों के लिए संभावित ऑर्डर हैं। एल्बेट्रोस 2.0 दो इंजन वाला उभयचर विमान है। यह एक बार ईंधन भरकर 18 घंटे तक उड़ान भर सकता है और 2,200 समुद्री मील की दूरी तय कर सकता है। यह 650 पाउंड का वजन लेकर जाने में सक्षम है।

शेयर बाजार की तेजी पर लगा ब्रेक

सेंसेक्स 504 अंक लुढ़का

मुंबई (वार्ता)। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में तीन दिन की तेजी पर गुरुवार को ब्रेक लग गया और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 503.76 अंक (0.60 प्रतिशत) टूटकर 83,313.93 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 133.20 अंक यानी 0.52 प्रतिशत फिसलकर 25,642.80 अंक पर आ गया। बाजार में आज चौतरफा बिकवाली देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.22 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.28 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। धातु, ऑटो, आईटी, निजी बैंकों, रियलटी, एफएमसीजी,

टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे। सार्वजनिक बैंकों और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक बढ़त में रहे। एनएसई में जिन 3,241 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 2,033 के शेयर लाल निशान में और 1,113 के हरे निशान में बंद हुए। अन्य 95 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स 30 में से 24 कंपनियों में गिरावट रही। इटरनल का शेयर 2.50 प्रतिशत टूट गया। भारती एयरटेल का शेयर 1.65 प्रतिशत, बीईएल का 1.42, आईटीसी का 1.15 और इंफोसिस का 1.05 प्रतिशत फिसल गया।

फोर्ब्स ग्लोबल प्रॉपर्टीज ने भारत के लग्जरी रियल एस्टेट में प्रवेश की घोषणा की

नयी दिल्ली (वार्ता)। फोर्ब्स ग्लोबल प्रॉपर्टीज ने गुरुवार को भारत के लग्जरी रियल एस्टेट में प्रवेश और देश के लिए अपनी दीर्घकालिक रणनीतिक योजना मिशन 2030 की घोषणा की। फोर्ब्स के अधिकारियों ने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत में निरंतर संपत्ति सृजन, वैश्विक पूंजी निवेश में वृद्धि और अति धनाढ्य तथा बेहद धनाढ्य लोगों की बढ़ती संख्या के कारण रियल एस्टेट एक महत्वपूर्ण परिसंपत्ति वर्ग के रूप में उभर रहा है। यह अब केवल आवास नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल, निवेश मूल्य और वैश्विक अवसरों का मिश्रण बन चुका है। उन्होंने कहा कि मिशन 2030 के तहत फोर्ब्स ग्लोबल प्रॉपर्टीज श्रेष्ठ भागीदारों के साथ चयनात्मक रूप से काम करेगी, वैश्विक मानकों के अनुरूप परियोजनाएं विकसित करेगी, संस्थागत स्तर की एडवाइजरी सेवाओं को मजबूत बनायेगी और भारत तथा वैश्विक रियल एस्टेट बाजारों के बीच मजबूत संबंध स्थापित करेगी। फोर्ब्स ग्लोबल प्रॉपर्टीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माइकल डब्ल्यू. जल्बर्ट ने बताया कि पिछले पांच साल में कंपनी ने विश्व स्तर पर तेजी से विकास किया है और वर्तमान में 38 देशों में इसके 600 कार्यालय हैं। भारत

को लेकर कंपनी की बड़ी योजनाएं हैं, जिससे भारतीय ग्राहकों को बेहतर और प्रोफेशनल रियल एस्टेट सेवाएं मिलेंगी। कंपनी ने स्पष्ट किया, यह तेजी से विस्तार करने की नहीं, बल्कि उद्देश्यपूर्ण उपस्थिति बनाने की रणनीति है। ब्रांड की विश्वसनीयता, एसेट की गुणवत्ता और दीर्घकालिक मूल्य सृजन हमारे हर निर्णय के केंद्र में रहेगा। फोर्ब्स ग्लोबल प्रॉपर्टीज की निदेशक मणि गुप्ता ने कहा, भारत में ब्रांडेड घरों की मांग लगातार बढ़ रही है। मिशन 2030 का विजन यह सुनिश्चित करता है कि ब्रांडेड घरों को अधिक प्रोफेशनल और एकीकृत तरीके से विकसित किया जाये। भारतीय बाजार तेजी से परिपक्व हो रहा है और अब ग्राहक प्रॉपर्टी को रहने, निवेश और दीर्घकालिक विकास जैसी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर खरीद रहे हैं।

खाड़ी सहयोग परिषद के साथ एफटीए के नियम और शर्तों पर हुए हस्ताक्षर

नयी दिल्ली (वार्ता)।

भारत और खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के बीच मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) के नियम और शर्तों पर गुरुवार को दोनों पक्षों के मुख्य वार्ताकारों ने हस्ताक्षर किये। अब इन नियम और शर्तों के दायरे में दोनों पक्षों के बीच एफटीए पर वार्ता आगे बढ़ेगी। जीसीसी में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं। यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव तथा मुख्य वार्ताकार अजय भादू और जीसीसी महासचिव के मुख्य वार्ताकार रजा अल मर्जोकी ने हस्ताक्षर किये। इस मौके पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल भी मौजूद थे। श्री गोयल ने जीसीसी के साथ एफटीए की

दिशा में इस महत्वपूर्ण कदम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छह देशों से संगठन के साथ भारत से संबंध रणनीतिक भागीदारी में बदल गये हैं और उन्हें नया तथा विस्तृत आयाम मिला है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात और ओमान से व्यापार समझौतों के साथ जीसीसी से एफटीए भारतीय उत्पादों और सेवाओं, एमएसएमई, उद्यमों, कुशल युवाओं तथा पेशेवरों के लिए नये द्वार खोलेंगे। उन्होंने कहा कि इससे देश में बड़ा निवेश आयेगा। हस्ताक्षर पर समझौते की तस्वीरें साझा करते हुए श्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत विकसित देशों के साथ अपने रिश्तों को और सुदृढ़ कर रहा है। जीसीसी के साथ परस्पर लाभदायक संबंधों की पूरी क्षमता के इस्तेमाल के लिए मंच तैयार है। श्री मर्जोकी ने कहा कि जीसीसी और भारत के बीच ऐतिहासिक व्यापार संबंध हैं। श्री मर्जोकी अपनी भारत यात्रा के दौरान श्री अग्रवाल से मिले और विशेषकर मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में दोनों पक्षों के बीच सकल आर्थिक भागीदारी को आगे बढ़ाने पर चर्चा की। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने जीसीसी को 56.87 अरब डॉलर का निर्यात किया जबकि वहां से आयात 121.68 अरब डॉलर रहा। दोनों के बीच कुल व्यापार 178.56 अरब डॉलर पर था। पिछले पांच साल में जीसीसी देशों के साथ भारत के व्यापार में औसतन 15.42 प्रतिशत सालाना की दर से वृद्धि हुई है। भारत जीसीसी को इंजीनियरिंग सामान, चावल, कपड़े, मशीनरी और रत्न एवं आभूषणों का निर्यात करता है।

भारत वहां से कच्चा तेल, तरल प्राकृतिक गैस, पेट्रो रसायन और बहुमूल्य धातुओं जैसे सोने का आयात करता है। जीसीसी देशों की संयुक्त आबादी 6.15 करोड़ और वर्तमान मूल्य पर संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.3 लाख करोड़ डॉलर है। वहां से भारत में बड़ी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी आता है।

किसानों को सशक्त बनाने किया जा रहा है तकनीक का प्रभावी उपयोग : मुख्यमंत्री

म.प्र. बना फार्मर रजिस्ट्री के शत-प्रतिशत अनुपालन वाला पहला राज्य

एआई आधारित डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री से पारदर्शी व प्रामाणिक कृषि डेटा व्यवस्था हुई स्थापित

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को सशक्त बनाने और कृषि व्यवस्था को आधुनिक स्वरूप देने के लिए तकनीक का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। एआई आधारित डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री के माध्यम से राज्य में ग्रामीण डेटा प्रणाली को एक नई दिशा प्रदान की गई है। उन्नत तकनीक, पारदर्शी डेटा प्रबंधन और केंद्र-राज्य समन्वय से यह पहल किसानों के हित में मजबूत डिजिटल आधार तैयार कर रही है। इससे किसानों को योजनाओं का वास्तविक लाभ सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डिजिटल क्रॉप सर्वे के माध्यम से खेत पर उपस्थित होकर फसल की फोटो लेकर जानकारी सुरक्षित की जा रही है, जिससे फसल संबंधी डेटा पूरी तरह प्रमाणिक हो रहा है। जियो-फेंसिंग तकनीक से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सर्वे केवल वास्तविक खेत स्थल पर ही किया जाए। सर्वे डेटा का त्रिस्तरीय सत्यापन एआई/एमएल सिस्टम और पटवारी स्तर पर किया जा रहा है। अन्य विभागों द्वारा भी इस डेटा का प्रभावी उपयोग किया जा रहा

है। डीसीएस डेटा के आधार पर उपार्जन पंजीयन की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि इंटरनेट उपलब्ध न होने की स्थिति में भी सर्वे की विश्वसनीयता बनी रहे। सर्वे के दौरान ली गई फोटो की प्रामाणिकता और सही लोकेशन की पुष्टि प्रणाली द्वारा की जाती है। सर्वे केवल निर्धारित समयावधि में ही संभव है और समय सीमा के बाहर या मोबाइल समय में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ होने पर सर्वे स्वत: रुक जाता है। एआई या एमएल एल्गोरिदम के माध्यम से डेटा का क्रॉस-वेरिफिकेशन कर मानवीय त्रुटियों की संभावना को न्यूनतम किया गया है। फसल क्षेत्र, उत्पादन अनुमान और योजनाओं के क्रियान्वयन में डेटा-ड्रिवन निर्णय लिए जा रहे हैं।

विशिष्ट डिजिटल पहचान संख्या प्रदान की

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री को एकीकृत डिजिटल प्रणाली के रूप में विकसित किया गया है। इसमें किसानों की पहचान, भूमि विवरण और योजना संबंधी जानकारी का केंद्रीकृत पंजीकरण एवं सत्यापन किया जा रहा है। इस प्रक्रिया में भूमि अभिलेखों का पूर्ण डिजिटल एकीकरण, स्थान आधारित रिकॉर्ड और बहु-स्तरीय डेटा जांच शामिल हैं। प्रत्येक किसान को 11 अंकीय विशिष्ट डिजिटल पहचान संख्या प्रदान की जा रही है, जिससे एक प्रमाणिक और सटीक किसान डेटाबेस (यूनिफाइड डिजिटल प्रोफाइल) तैयार हो रही है। फार्मर रजिस्ट्री के निर्धारित मानकों का 100 प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। एससीए योजना में भारत सरकार से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 713 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह डिजिटल व्यवस्था डुप्लीकेशन और फर्जी लाभार्थियों पर प्रभावी रोक लगाएगी और भविष्य की सभी डिजिटल कृषि योजनाओं की मजबूत नींव बनेगी। साथ ही, जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से किसानों को आसान कृषि ऋण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

वार्ड-24 के पेंशनधारकों की रुकी पेंशन बहाल

भोपाल । राजधानी के वार्ड क्रमांक-24 की सक्रिय कांग्रेस पार्षद शाबिस्ता ज़की ने एक बार फिर जनसेवा की मिसाल पेश की है।

आज वार्ड कार्यालय में लंबित कार्यों की समीक्षा के दौरान उन्होंने पिछले कई महीनों से परेशान हो रहे पेंशनधारकों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण करवाया।

दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर थे बुजुर्ग : समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि वार्ड के कई बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों की पेंशन फाइलें पिछले 3-4 महीनों से तकनीकी कारणों से रुकी हुई थीं। कई हितग्राहियों के खाते बंद हो चुके थे, जिसके कारण उन्हें सरकारी लाभ नहीं मिल पा रहा था। पार्षद शाबिस्ता ज़की ने फाइलों का गहन निरीक्षण किया और तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर बंद पड़े खातों की प्रक्रिया पूर्ण कराई।

अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा : शाबिस्ता ज़की : इस अवसर पर शाबिस्ता ज़की ने कहा वार्ड-24 का प्रत्येक नागरिक मेरा परिवार है। किसी भी पात्र व्यक्ति को उसके हक से वंचित रखना अन्याय है। मेरा हमेशा से प्रयास रहा है कि सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचे। पेंशनधारकों की रुकी हुई राशि उनके खातों में जल्द से जल्द पहुंचे, इसके लिए विभागीय समन्वय कर फाइलों को पुन: चालू कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और वार्डवासियों की बुनियादी समस्याओं—जैसे पानी, सफाई और सामाजिक सुरक्षा—के समाधान के लिए वे निरंतर संघर्ष करती रहेंगी।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय रेलवे में बड़ी भर्ती : 1.43 लाख पदों पर प्रक्रिया तेज, 31 हजार युवाओं का चयन फाइनल

भोपाल । भारतीय रेलवे में रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। रेलवे द्वारा वर्ष 2024 और 2025 के वार्षिक भर्ती कैलेंडर के तहत 1,43,086 गैर-राजपत्रित पदों पर भर्ती प्रक्रिया युद्ध स्तर पर चलाई जा रही है। पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, इनमें से 31,000 से अधिक उम्मीदवारों का पैनल अंतिम रूप से तैयार कर लिया गया है। रेलवे भर्ती बोर्ड ने सहायक लोको पायलट, तकनीशियन, जूनियर इंजीनियर और पैरामेडिकल जैसी महत्वपूर्ण श्रेणियों में चयन प्रक्रिया के मुख्य पड़ाव पार कर लिए हैं। जानकारी के अनुसार ALP और तकनीशियन पदों के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट के दोनों चरण और एएलपी के लिए योग्यता परीक्षा संपन्न हो चुकी है। NTPC और आरपीएफ के लिए स्नातक और अंडर-स्नातक पदों के साथ-साथ आरपीएफ सब-इंस्पेक्टर के लिए भी मुख्य परीक्षाएं पूरी हो गई हैं। लेवल-1 परीक्षा ट्रैक मेंटेनर और पॉइंट्समैन जैसे 32,438 पदों के लिए परीक्षा 27 नवंबर 2025 से शुरू हो चुकी है।

करोड़ों उम्मीदवारों ने दी परीक्षा : भर्ती की पारदर्शिता और व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विभिन्न श्रेणियों के लिए कुल 2.5 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। रेलवे ने इन परीक्षाओं को देश के 150 से अधिक शहरों में 15 अलग-अलग भाषाओं में आयोजित किया है।

50 हजार नए पदों पर भी काम शुरू : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2025 के कैलेंडर के तहत 50,970 अतिरिक्त रिक्तियों के लिए भी 9 नई अधिसूचनाएं जारी कर दी गई हैं। इसमें दक्षिण रेलवे और आईसीएफ के पद भी शामिल हैं। वर्तमान में चयनित 31,000 से अधिक उम्मीदवारों में से अधिकांश नियुक्तियां रेलवे की सुरक्षा श्रेणी में की जा रही हैं।

ग्रामीणजन विद्युत से सुरक्षा के लिए सावधानियां जरूर बरतें

भोपाल । मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने ग्रामीणजनों को आगाह किया है कि वे अपने खेत-खलिहानों में विद्युत से सुरक्षा हेतु सावधानियां जरूर बरतें। अक्सर देखा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में असावधानीवश विद्युत से कई बार अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं। यह दुर्घटनाएं कई बार जान-माल का नुकसान भी कर देती हैं। इनसे बचने के लिए ग्रामीणजनों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कंपनी ने कहा है कि कभी भी विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी न करें। क्योंकि ऐसा करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। जरा भी असावधानी या छेड़खानी से बड़े-बड़े खतरे पैदा हो सकते हैं। इसलिए ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है उन्हें आँधी तूफान या अन्य किसी कारण से टूटने वाले तारों को अकस्मात् छूने का प्रयास न करें। इस दौरान जरूरी होगा कि लाइन टूटने की सूचना तत्काल निकटस्थ बिजली कंपनी के अधिकारी को अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। संभव हो तो किसी आदमी को उस जगह, अन्य यात्रियों को चेतावनी देने के लिये भी बिठा दें। किसानों को सलाह है कि वे खेतों खलिहानों में ऊँची-ऊंची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियां, झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनायें। साथ ही विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज, भूसे आदि की ऊँची भरी हुई गाड़ियाँ न निकालें, इससे आग लगने एवं प्राण जाने का खतरा है। बहुत से स्थानों पर बच्चे पतंग अथवा लंगर का खेल खेलते तरह-तरह के धागे और डोर विद्युत लाइनों में फंसा देते हैं। ऐसा करने से उन्हें रोकें। लाइनों में फंसी पतंग निकालने के लिए बच्चों को कभी भी खंभे पर न चढ़ने दें। इससे एक ओर जहां दुर्घटना को टाला जा सकेगा वहीं दूसरी ओर आप होने वाली आर्थिक हानि से भी बच सकेंगे।

मध्यप्रदेश विद्युत के क्षेत्र में पूर्णत: आत्म निर्भर : ऊर्जा मंत्री तोमर

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किये जा रहे कार्यों से प्रदेश विद्युत के क्षेत्र में पूर्णत: आत्म निर्भर हो गया है। प्रदेश भविष्य में भी विद्युत के क्षेत्र में आत्म निर्भर बना रहे इसके लिये विद्युत उपलब्ध क्षमता में 1806 मेगावाट की वृद्धि का कार्यक्रम है। इसमें से 851 मेगावाट क्षमता वृद्धि हासिल की जा चुकी है। प्रदेश में गैर कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 24 घंटे एवं कृषि उपभोक्ताओं को लगभग 10 घंटे प्रतिदिन विद्युत प्रदाय की जा रही है।

रबी मौसम में मकर संक्रांति पर्व पर 19895 मेगावाट की अधिकतम विद्युत मांग की सफलतापूर्वक पूर्ति की गई, जो प्रदेश के इतिहास में सर्वाधिक है। प्रदेश में पारेषण हानियां अब मात्र 2.60 प्रतिशत रह गई हैं, जो पूरे देश में न्यूनतम हानियों में से एक है। वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-2030 तक की अवधि में प्रदेश की पारेषण प्रणाली के सुदृढीकरण के लिये म.प्र. पॉवर ट्राँसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 5163 करोड़ रुपये के पूंजीगत कार्यों का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

अटल गृह ज्योति योजना में जिनकी मासिक खपत 150 यूनिट तक है एवं पात्र उपभोक्ताओं को प्रथम 100 यूनिट की खपत के लिए अधिकतम 100 रुपये का बिल दिया जा रहा है एवं अंतर की राशि राज्य शासन द्वारा सब्सिडी के रूप में वितरण कंपनियों को दी जा रही है। इस योजना में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के लिये वर्ष 2024-25 में सब्सिडी की मद में 6495.27 करोड़ रूपये जारी किए गए थे।

श्रीअन्न से आत्मनिर्भर किसान की ओर अग्रसर मप्र : कंषाना

श्रीअन्न मिलेट प्रोत्साहन एवं आत्मा योजनांतर्गत कृषि विज्ञान मेले का शुभारंभ

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि मिलेट केवल फसल नहीं, बल्कि स्वस्थ भविष्य और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। उन्होंने कहा कि जिसे कभी मोटा अनाज कहा जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से वही अनाज 'श्रीअन्न' के रूप में विश्वभर में सम्मान पा रहा है। श्रीअन्न से मध्यप्रदेश आत्मनिर्भर किसान की ओर अग्रसर है। मंत्री कंषाना दशहरा मैदान, टीटी नगर भोपाल में श्रीअन्न मिलेट प्रोत्साहन एवं आत्मा योजनांतर्गत कृषि विज्ञान मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि श्रीअन्न आयरन, कैल्शियम एवं फाइबर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर

है तथा कुपोषण के विरुद्ध हमारी लड़ाई में मजबूती से सहायक सिद्ध हो रहा है। साथ ही मिलेट कम पानी, कम खाद एवं प्रतिकूल जलवायु में भी बेहतर उत्पादन देता है। इससे जल संरक्षण के साथ ही किसानों की आय में भी वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। मंत्री कंषाना ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। सरकार की प्राथमिकता है कि किसान वैज्ञानिक खेती, कम लागत, अधिक उत्पादन और अधिक आय की ओर अग्रसर हों।

कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, जनपद अध्यक्ष बैरसिया कुबेर सिंह गुर्जर सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

नौ किसान पुरस्कृत

कृषि मंत्री कंषाना ने ग्राम जूनापानी के कृषक जीवन सिंह को पशुपालन के क्षेत्र में जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के रूप में 25 हजार रुपए एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किया। विकासखंड स्तरीय पुरस्कार के रूप में 8 किसानों को 10 - 10 हजार रुपए और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इनमें ग्राम दोजयाई के किशन सिंह को पशुपालन के क्षेत्र में, ग्राम सेवनिया ओंकारा की सुनीता रैकवार एवं कोलूखेड़ी के हर्ष दांगी को मत्स्य उत्पादन के क्षेत्र में, ग्राम भैरोंपुरा के राम मोहन मीणा को उद्यानिकी, ग्राम मुगालिया छाप के महेश मीणा एवं जमुसर कला की संगीता जाटव को कृषि अभियांत्रिकी, ग्राम टीला खेड़ी के रमेश सिंह और नामदापुरा के दीपक मीणा को कृषि के क्षेत्र में सराहनीय उत्कृष्ट योगदान के लिए विकास खंड स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

राजधानी की लाइफलाइन पर जल्द दौड़ेंगी 195 नई ई-बसें : राठौर

BCLL के यात्री बढ़ाने के लिए नगर निगम की बड़ी तैयारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । राजधानी की लाइफलाइन कही जाने वाली भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड की बसों को लेकर नगर निगम ने बड़ा अपडेट साझा किया है। भोपाल नगर निगम के एमआईसी सदस्य मनोज राठौर ने बताया कि शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने और यात्रियों की संख्या फिर से बढ़ाने के लिए जल्द ही 195 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं।

ऑपरेटर के साथ कानूनी विवाद

शहर की बस सेवाओं में आ रही बाधाओं पर स्पष्टीकरण देते हुए राठौर ने बताया कि BCLL के चार ऑपरेटरों में से एक, मा एसोसिएट्स के साथ विवाद चल रहा है। ऑपरेटर ने खड़ी बसों के स्टैंडिंग चार्ज की मांग को लेकर न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। एमआईसी सदस्य ने स्पष्ट किया कि मामला फिलहाल कोर्ट में है और माननीय न्यायालय का जो भी फैसला होगा, निगम उसी के अनुरूप कार्रवाई करेगा।

दो चरणों में आएंगी बसें

मनोज राठौर के अनुसार, पब्लिक ट्रांसपोर्ट में यात्रियों की घटती रुचि को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। नई बसों का आगमन दो चरणों में होगा :

- **प्रथम चरण :** सबसे पहले 100 इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर उतारी जाएंगी।
- **द्वितीय चरण :** इसके बाद शेष 95 बसें बेड़े में शामिल होंगी।
- गौरतलब है कि पहले BCLL की बसों से रोजाना 1 लाख से अधिक यात्री सफर करते थे, लेकिन वर्तमान में इस संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। नई बसों की सौगात से यात्रियों को बेहतर और प्रदूषण मुक्त सफर की सुविधा मिलेगी।

जनता को मिलेगी राहत

नगर निगम को उम्मीद है कि इलेक्ट्रिक बसों के आने से न केवल पर्यावरण को लाभ होगा, बल्कि समयबद्धता और आधुनिक सुविधाओं के कारण भोपाल की जनता एक बार फिर निजी वाहनों को छोड़कर पब्लिक ट्रांसपोर्ट की ओर आकर्षित होगी।

डंपर ने ली बीएससी छात्र की जान भानपुर ब्रिज पर दर्दनाक हादसा

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । राजधानी के छोला मंदिर थाना क्षेत्र अंतर्गत भानपुर ब्रिज पर बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। यहाँ गिट्टी से भरे एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार बीएससी छात्र को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आरोपी चालक डंपर छोड़कर फरार हो गया।

दोस्त के घर से लौट रहा था छात्र : मृतक की पहचान 21 वर्षीय सूजल मुंडा के रूप में हुई है। सूजल भोपाल मेमोरियल अस्पताल परिसर में रहता था और उसके पिता वहाँ कर्मचारी हैं। वह एक प्राइवेट कॉलेज से बीएससी फॉरेंसिक साइंस के फाइनल ईयर की पढ़ाई कर रहा था। बताया जा रहा है कि बुधवार रात वह अयोध्या नगर स्थित अपने दोस्त के घर से खाना खाकर लौट रहा था, तभी रात करीब 12:15 बजे भानपुर ब्रिज पर वह हादसे का शिकार हो गया।

कॉलेज ड्रेस से हुई शिनाख्त : हादसे के समय सूजल के पास कोई पहचान पत्र नहीं था, जिससे रात में उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। राहगीरों ने उसे एम्बुलेंस की मदद से हमीदिया अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चूंकि सूजल ने कॉलेज ड्रेस पहनी हुई थी, इसलिए पुलिस ने गुरुवार सुबह संबंधित कॉलेज में संपर्क किया, जिसके बाद उसकी पहचान हो सकी।

परिवार का इकलौता बेटा था सूजल : सूजल के क्लासमेट रोहित पटेल ने बताया कि वह अपनी बहन के बाद परिवार का इकलौता बेटा था। इकलौते बेटे की मौत की खबर सुनते ही परिवार में मातम छा गया है। गुरुवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

पुलिस की कार्रवाई : छोला मंदिर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने गिट्टी से भरे डंपर को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी चालक की तलाश की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर वेधानिक कार्यवाही क़ी जाएगी।

900 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद मिली सफलता

सीरियल कटर, 4 युवतियों पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । शहर में राह चलती युवतियों पर कटर से हमला करने वाले आदतन अपराधी को भोपाल पुलिस ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। इस उल्लेखनीय कार्रवाई पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने पूरी पुलिस टीम को 50 हजार रुपये के पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

आरोपी देवेंद्र अहिरवार ने 29 जनवरी की रात सोनागिरी, पिपलानी एवं अयोध्यानगर थाना क्षेत्रों में कुल चार युवतियों पर कटर से हमला कर गंभीर रूप से घायल किया था। इन घटनाओं के संबंध में थाना पिपलानी एवं अयोध्यानगर में पृथक-पृथक चार प्रकरण दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई थी। घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त संजय कुमार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अवधेश गोस्वामी के मार्गदर्शन में विशेष टीमों का गठन किया गया। जोन स्तर एवं क्राइम ब्रांच की कुल 40 टीमों में 150 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी लगाए गए। जांच के दौरान पुलिस ने 900 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया, 600 से अधिक पुराने बदमाशों का सत्यापन किया गया तथा करीब 100 संदिग्धों से पूछताछ की गई। आरोपी की पहचान के बाद उसका हुलिया सार्वजनिक कर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था।

लगातार सघन तलाशी अभियान के दौरान पुलिस को सूचना मिली, जिसके आधार पर

डीजीपी ने टीम को दिया 50 हजार का इनाम

अयोध्या बायपास, छोलामंदिर क्षेत्र के जंगल से आरोपी देवेंद्र अहिरवार पिता हरज्ञान अहिरवार (उम्र 37 वर्ष), निवासी घसेरा मोहल्ला, राहतगढ़ जिला सागर, हाल निवासी पूजा कॉलोनी करोंद, भोपाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कटर, चोरी की गई मोटरसाइकिल, कपड़े एवं अन्य सामग्री जब्त की गई है। पूछताछ में आरोपी ने वर्ष 2014 में सागर जिले में भी इसी तरह की कई घटनाएं करना स्वीकार किया है।

होटल मैनेजमेंट में कॅरियर : एसआईएचएम इंदौर में प्रवेश प्रक्रिया हुई प्रारंभ

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल । मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित एवं एन.सी.एच.एम.सी.टी. (NCHMCT), नोएडा से मान्यता प्राप्त स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (एस.आई.एच.एम.), इंदौर होटल उद्योग में भविष्य बनाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। संस्थान में शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। विशेष रूप से वंचित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संस्थान स्तर पर डायरेक्ट एडमिशन (सीधे प्रवेश) का प्रावधान रखा गया है।

प्रवेश परीक्षा एवं प्रक्रिया : सत्र 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया 25 दिसंबर 2025 से जारी है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम (JEE) आगामी 25 अप्रैल 2026 को ऑनलाइन होगा। इस परीक्षा में न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिंग, सामान्य ज्ञान और इंग्लिश जैसे विषयों पर प्रश्न पूछे जाएंगे।

रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम और वैश्विक मान्यता : संस्थान के प्राचार्य डॉ. वी.के. सिंह ने बताया कि राऊ स्थित यह संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से मान्यता प्राप्त तीन वर्षीय बीएससी हॉस्पिटैलिटी एंड होटल एडमिनिस्ट्रेशन डिग्री प्रदान करता है। इसके अलावा, 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए अल्पकालिक डिप्लोमा और क्राफ्ट्समैनशिप सर्टिफिकेट कोर्स भी उपलब्ध हैं, जिनमें फूड प्रोडक्शन, बेकरी, हाउसकीपिंग और फ्रंट ऑफिस जैसे विषय शामिल हैं।

प्रमुख सुविधाएं और प्लेसमेंट : संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी 100 प्रतिशत कैंपस प्लेसमेंट रिकॉर्ड है। यहाँ के विद्यार्थियों का चयन ओबेरॉय, ताज, आईटीसी, मैरियट और रिलायंस जैसे प्रतिष्ठित समूहों में होता है। विद्यार्थियों को चौथे सेमेस्टर में विदेशी इंटर्नशिप का विकल्प भी दिया जाता है। संस्थान आधुनिक छात्रावास, वाई-फाई, अनुभवी फैकल्टी और परिवहन जैसी सुविधाओं से सुसज्जित है। आरक्षित वर्ग के छात्रों के लिए शासन की नियमानुसार छात्रवृत्ति भी उपलब्ध है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई-100/22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- नवीन आनंद जोशी। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।